मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 242
शुक्रवार, 20 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राम-राज्य के आदर्शों से ही बनेगा विकसित भारतः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

आयोध्या, 19 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री राम यंत्र स्थापित किया और वैदिक मंत्रों के बीच प्रार्थना की, जो मंदिर निर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री राम यंत्र को मंदिर की दूसरी मंजिल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम तल भी है और पूर्णता का प्रतीक है। इस स्थापना के साथ ही मंदिर का निर्माण पूरा माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के वैदिक विद्वानों द्वारा पुरोहित गणेश्वर शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न किए गए।

इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में श्री राम यंत्र स्थापना कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। उन्होंने कहा कि इस परम पवित्र श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, यहां रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। राम-राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। मैं चाहूंगी कि हमारे सभी देशवासी घट-घट व्यापी राम के पवित्र भक्ति-भाव के साथ एकात्म होकर आगे बढ़ें। हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक, इन सभी आयामों पर हो रहा है। देव-भक्ति और देश-भक्ति, दोनों का मार्ग एक ही है।

अयोध्या पहुंचने पर राष्ट्रपति का स्वागत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने किया। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, राष्ट्रपति मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लगभग 400 श्रमिकों को सम्मानित भी करेंगी। वह परिसर के बाहरी हिस्से में स्थित एक मंदिर पर ध्वजारोहण भी करेंगी, जिसे परकोटा के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए पूरे शहर में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर की ओर जाने वाली सड़कों को भगवा झंडों और बैनरों से सजाया गया है, जिससे उत्सवपूर्ण और भक्तिमय वातावरण का निर्माण हुआ है।

बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा चुनाव आयोगः ममता बनर्जी

कोलकता, 19 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल को अनुचित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले ही शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। बनर्जी ने इस कदम को राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां संस्थागत निष्पक्षता को कमजोर करती हैं और राज्य में चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं।

अपने हमले को जारी रखते हुए, पॉल ने टीएमसी और वामपंथियों दोनों की आलोचना करते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रयासों के बावजूद, अल्पसंख्यक समुदायों को कोई वास्तविक विकास नहीं मिला, बल्कि उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। ये टिप्पणियां चुनावों से पहले पार्टियों के बीच बढ़ते जुबानी जंग को और हवा देती हैं।

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के लिए डेटा प्रबंधन अधिकारियों की मांग की थी, लेकिन ममता बनर्जी सरकार ने सहयोग करने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से राज्य में चुनावी तैयारियों में बाधा उत्पन्न हुई। पॉल की ये टिप्पणियां पश्चिम बंगाल में चुनाव संचालन और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं।

बनर्जी ने आगे आरोप लगाया कि सूचना एवं संचार ब्यूरो (आईबी), एसटीएफ और सीआईडी जैसी प्रमुख एजेंसियों को चुनिंदा तबादलों के जरिए कमजोर किया जा रहा है, जिसे उन्होंने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को पंगु बनाने का जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। उन्होंने पारदर्शिता को लेकर चिंता जताते हुए पूरक मतदाता सूचियों के प्रकाशन में देरी पर भी सवाल उठाए। स्थिति को अघोषित आपातकाल बताते हुए उन्होंने भाजपा पर संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि बंगाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगा।

पाकिस्तान की करतूतः ईद से चंद घंटे अफगानिस्तान पर बरसाए बम, तोड़ा सीजफायर

पाकिस्तान, 19 मार्च। ईद के मौके पर घोषित सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अफगानिस्तान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान ने ईद से चंद घंटे पहले ही किया सीजफायर तोड़ दिया और कुनार प्रांत में भारी गोलाबारी की और अब तक 72 गोले दागे गए हैं।अफगान अधिकारियों के अनुसार नराई जिले के डोकालाम, बारिकोट और सोंगालाई में 35 गोले गिरे। मनोगाई जिले में 37 गोले दागे गए। कुछ इलाकों में अब भी फायरिंग जारी है हालांकि, अब तक किसी के मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। अफगानिस्तान का दावा है कि यह गोलाबारी उन इलाकों में की गई, जहां लोग अपने घरों को लौट रहे थे।

दोनों देशों ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर अस्थायी युद्धविराम का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने 18/19 मार्च से 23/24 मार्च तक सीजफायर की घोषणा की।अफगानिस्तान ने भी रक्षात्मक ऑपरेशन रोकने की बात कही लेकिन दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगा दिया।

तनाव की जड़ पाकिस्तान का सैन्य अभियान गजब-लिल-हक है, जो 26 फरवरी से चल रहा है। पाकिस्तान का दावा है कि 700 से ज्यादा उग्रवादी मारे गए व 900 से ज्यादा घायल हुए जबकि कई ठिकाने और चौकियां नष्ट कर दी गईं।

पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने हथियारों के ठिकानों और ड्रोन बेस को निशाना बनाया।

ऊर्जा संरचनाओं पर ईरानी हमलों से भड़का भारत

नई दिल्ली, 19 मार्च। भारतीय विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक ब्रीफिंग में वैश्विक घटनाक्रम, ऊर्जा सुरक्षा, विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देते हुए भारत की नीतियों और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया।

सबसे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा पकड़े गए छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक के मामले पर प्रवक्ता ने कहा कि यह एक कानूनी विषय है और इसकी जांच जारी है। उन्होंने बताया कि भारत में कुछ क्षेत्र प्रतिबंधित और संरक्षित होते हैं जहां यात्रा के लिए विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है। संबंधित व्यक्तियों के पास यह अनुमति थी या नहीं, यह अब न्यायालय में स्पष्ट होगा। साथ ही, भारत ने संबंधित

देशों के साथ दूतावास स्तर पर संपर्क बनाए रखा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भारत और अमेरिका के बीच सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया। प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक कार्य समूह बना हुआ है जो इस साझा चुनौती से निपटने के लिए संस्थागत संवाद का माध्यम है। पाकिस्तान के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उसकी गतिविधियां वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय हैं और वह कई देशों के लिए खतरा बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हॉर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री गतिविधियों पर असर के बीच भारतीय नाविकों की स्थिति पर भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े नाविक समुदायों में से एक है और वर्तमान में 22 जहाजों पर 611 भारतीय नाविक कार्यरत हैं। कई नाविक सुरक्षित लौट आए हैं, जिनमें घायल 15 नाविक भी शामिल हैं। सरकार लगातार कंपनियों के संपर्क में है ताकि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ऊर्जा आपूर्ति पर संकट के बारे में प्रवक्ता ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों और जलडमरूमध्य के बंद होने से गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। भारत विभिन्न देशों और संबंधित पक्षों के साथ बातचीत कर रहा है ताकि ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके और आपूर्ति बाधित न हो। साथ ही घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों के मुद्दे पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में छात्र, जिनमें कश्मीर की छात्राएं भी शामिल हैं, वहां चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। सरकार उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास में जुटी है और सलाह दी गई है कि सीमा पार करने से पहले दूतावास से संपर्क करें। आने वाले दिनों में सभी छात्रों के सुरक्षित लौटने की उम्मीद जताई गई है।

मध्य पूर्व में ऊर्जा संरचनाओं पर ईरानी हमलों की निंदा करते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि नागरिक और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। ऐसे हमले वैश्विक ऊर्जा संतुलन को और अस्थिर करते हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

ब्रिक्स के संदर्भ में प्रवक्ता ने कहा कि इसकी सदस्यता और अन्य समूहों की सदस्यता अलग अलग श्रेणियां हैं, इसलिए सर्वसम्मति बनाने में कुछ कठिनाइयां आती हैं। भारत की ऊर्जा नीति पर उन्होंने कहा कि देश विभिन्न स्रोतों से तेल और गैस खरीद रहा है, जिसमें रूस भी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है और भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध विकल्प अपनाता रहेगा।

राहुल गांधी ने बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 19 मार्च। उत्तम नगर घटना के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया और दिल्लीवासियों से उकसावे का जवाब न देने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है - एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए। खून-खराबा केवल इखढ और उसका इकोसिस्टम चाहता है, जो नफरत के तवे पर हिंसा की रोटी सेंकने के हर मौके का फायदा उठाता है।

राहुल गांधी ने आगे लिखा कि वो चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग यह न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर हैं - इसीलिए, दिन-दहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किए जा रहे हैं। दिल्लीवासियों से अनुरोध है किसी बहकावे में न आएं - देश की शक्ति हमारी एकता, भाईचारे और मोहब्बत में है। जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो।

इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने हालिया सांप्रदायिक तनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनजर ईद से पहले उत्तम नगर में पुलिस सुरक्षा की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित की है। एक याचिका जनहित याचिका है, जबकि दूसरी याचिका में दिल्ली पुलिस को कथित तौर पर एक अभ्यावेदन दिए जाने के बाद निवारक उपायों की मांग की गई है, हालांकि अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दोनों याचिकाओं में हिंसा की कथित धमकियों को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 4 मार्च को होली के उत्सव के दौरान एक गुब्बारे को लेकर हुए विवाद से शुरू हुई, जो हिंसक झड़प में बदल गया।

उत्तराखंड के मंत्री सतपाल महाराज की बिगड़ी तबीयत

उत्तराखंड। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए एम्स ऋषिकेश का दौरा किया और चिकित्सा कर्मचारियों से उनके स्वास्थ्य के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त की। एम्स ऋषिकेश के चिकित्सा अधीक्षक सत्य श्री बलिचा ने महाराज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि थोड़ी सी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है। बलिचा ने कहा कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था, उनकी तबीयत थोड़ी बिगड़ गई थी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व गौरैया दिवस, 20 मार्च 2026 पर विशेष

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

एक समय था जब सुबह की शुरूआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्त्रोत।

गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा।

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंततः, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

झूलेलाल और हेमू कालानी, एक धर्म के लिए मशहूर हुआ, दूसरा देश की आजादी के लिए

अशोक भाटिया

यह एक संयोग ही है कि सिंधियों के दो रत्न भगवान झुलेलाल एवं स्वतंत्रता वीर हेमू कालानी का जन्म दिन एक ही सप्ताह मार्च के तीसरे सप्ताह में पड़ रहा है। एक धर्म के लिए मशहूर हुआ दूसरा देश की आजादी के लिए। सबसे पहले बात करें भगवान झुलेलाल की। कहते है जब जब धरती पर अन्यायियों ने लोगों को त्रस्त किया तब तब भगवान ने मसीहा के रूप में अवतरित होकर उनके संकट को टाला है। सिंधी समाज के इष्ट देव झूलेलाल जी कि जीवनी कुछ ऐसी ही है। दरअसल जो लोग सिंध में रहते हैं अथवा विभाजन के बाद उस स्थान से पलायन कर किसी अन्य स्थान को गये हैं उन्हें सिंधी कहा जाता हैं। सिंध पाकिस्तान में हैं। 20 मार्च 2026 को झूलेलाल जी की जयंती हैं जिन्हें सिन्धी समाज चेटीचंड उत्सव के रूप में मनाते हैं।

इस दिन वे अपने आराध्य देव झूले लाल को याद करते हैं। कोई इन्हें संत कहता है तो कोई फकीर जो भी हो हिन्दू मुस्लिम दोनों इन्हें मानते हैं। यह सिन्धी समाज के ब्रह्मा, विष्णु, महेश, ईशा, अल्लाह से भी बढ़कर हैं। झूलेलाल को कई अन्य नामों से भी जाना जाता हैं। उदेरोलाल, घोड़ेवारो, जिन्दपीर, लालसाईं, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि। झूलेलाल जी को जल के देवता वरुण का अवतार माना जाता हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में चन्द्र दर्शन की तिथि को सिंधी चेटीचंड मनाते हैं। इनकी पूजा तथा स्तुति का तरीका कुछ भिन्न हैं जल के देव होने के कारण इनका मंदिर लकड़ी का बनाकर जल में रखकर इनके नाम दीपक जलाकर भक्त आराधना करते हैं। चेटीचंड के अवसर पर भक्त इस मंदिर को अपने शीश पर उठाते हैं जिन्हें बहिराना साहिब कहा जाता हैं जिनमें परम्परागत छेज नृत्य किया जाता हैं।

Sindhi, God, Bhagwan Jhulelal, hemu Kalani, Freedom Fighter, Liberty, Britisher, India चाहे वो भगवान झूलेलाल हों या हेमू कालानी दोनों पर ही सिंधी समुदाय को गर्व है

सिंध प्रान्त से भारत में आकर भिन्न भिन्न स्थानों पर बसे सिंधी समुदाय के लोगों द्वारा झूलेलाल जी की पूजा की जाती हैं। ये उनके इष्ट देव हैं। सागर के देवता, सत्य के रक्षक और दिव्य दृष्टि के महापुरुष के रूप में इन्हें मान्यता दी गुई हैं। ताहिरी, छोले (उबले नमकीन चने) और शरबत आदि इस दिन बनाते हैं तथा चेटीचंड की शाम को गणेश विसर्जन की तरह बहिराणा साहिब का विसर्जन किया जाता हैं। भगवान झूलेलाल जी का जन्म चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 को हुआ था, इनके जन्म के सम्बन्ध में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं।

मगर इन सभी में बहुत सी समानताएं भी हैं यहां आपकों भगवान झूलेलाल जी की सर्वमान्य कथा बता रहे हैं जिन पर अधि कतर लोगों का विश्वास हैं। बात सिंध इलाके की हैं 11 वीं सदी में वहां मिरक शाह नाम का शासक हुआ करता था। वह प्रजा का शासक कम अपनी मनमानी करने वाला जनता को तरह तरह की शारीरिक यातनाएं देने में आनन्द खोजने वाला अप्रिय एवं अत्याचारी था। उसके लिए मानवीय मूल्य तथा व्यक्ति जीवन गरिमा व धर्म कुछ भी मायने नहीं रखते थे।

दिन ब दिन बढ़ते शाह के जुल्मों से सिंध की प्रजा तंग आ चुकी थी। राजतन्त्र में वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। उनके पास पुकार का एक ही जरिया था वह था ईश्वर से मदद की गुहार। राज्य की जनता सिन्धु के तट पर एकत्रित होकर भगवान से इस मुश्किल से निकालने के लिए प्रार्थना करने लगे। वरुणदेव उदेरोलाल ने जलपति के रूप में मछली पर सवार होकर लोगों को दर्शन दिया। तथा आकाशवाणी हुई कि हे भक्तों तुम्हारे दुखों का हरण करने के लिए मैं ठाकुर रतनराय के घर माँ देवकी के घर जन्म लूंगा तथा आपके जुल्मों को खत्म करूंगा।

चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 के दिन नसरपुर में मां देवकी पिता रतनराय के घर चमत्कारी बालक ने जन्म लिया जिसका नाम उदयचंद रखा गया। जब शासक मीरक शाह को यह खबर मिली तो उसने अपने सेनापति को इस बालक का वध करने के लिए भेजा। सेनापति अपनी पूरी सेना के साथ नसरपुर के रतनराय जी के यहां पहुचकर बालक उदयचंद तक पहुचने का प्रयास किया तो झूलेलाल जी ने अपनी दैवीय शक्ति से शाह के राजमहल में आग लगा दी तथा उसकी फौज को पंगु बना दिया।

जब शाह की किसी ईश्वरीय शक्ति के ताकत का अंदाजा हुआ तो वह माँ देवकी के घर गया तथा झूलेलाल जी के कदमों में गिरकर अपने पापों की क्षमा मांगने लगा। इस तरह अल्पायु में ही झूले लाल जी ने आमजन में सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा उन्हें निडर होकर अपना कर्म करने के लिए प्रेरित किया। इस पर मुस्लिम शासक के द्वारा हाथ जोड़कर के यह कहा गया कि है पीरों के पीर आपके चरणों में मेरा बारंबार नमस्कार है और इस प्रकार से भगवान झूलेलाल के चमत्कार से हिंदू जनता को मुस्लिम शासक के अत्याचार से आजादी मिली।

सिंध का शासक मीरक शाह जिन्होंने झूलेलाल जी को मारने के लिए आक्रमण किया, उसका अहंकार चूर चूर हो गया तथा वह उनका परम शिष्य बनकर उनके विचारों को जन जन तक पहुचाने के कार्य में जुट गया। शाह ने अपने आराध्य के लिए कुरु क्षेत्र में एक भव्य मंदिर का निर्माण भी करवाया। सर्वधर्म समभाव तथा अमन का पैगाम देने वाले झूलेलाल जी एक दिव्य पुरुष थे। झूलेलाल जयंती अथवा चेटीचंड चैत्र माह की शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता हैं। इस दिन पहली बार पूर्ण चन्द्र दर्शन होता हैं।

वरुण देव का अवतार माने जाने वाले झूलेलाल जी की जयंती का पर्व सिंधियों का सबसे बड़ा पर्व हैं। वर्ष 2026 में यह 2020 मार्च के दिन मनाया जा रहा है। इस दिन भारत में गुड़ी पड़वा तथा उगदी को भी मनाते हैं, इस दिन जगह जगह पर मन्दिरों में पूजा अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम व जुलुस निकाले जाते हैं। इस अवसर पर दिन प्रसाद के तौर पर उबले काले चने व मीठा भात सबको बांटा जाता हैं। चलिओ उर्फ चालिहो को चालिहो साहिब भी एक सिंधी पर्व हैं जिन्हें अंग्रेजी कलैंडर के अनुसार अगस्त या जुलाई माह में सिंधी समुदाय मनाता हैं।

चालीस दिन चलने वाले इस पर्व में साधक अपने आराध्य झूलेलाल का आभार प्रकट करते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में भारत माता के अनगिनत सपूतो ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराया। आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा। अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 में जन्में थे।

उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। 1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था।

Hemu Kalani हेमू समस्त विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार करने के लिए लोगो से अनुरोध किया करते थे। शीघ्र ही सक्रिय क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होकर उन्होंने हुकुमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भाग लेना शूरू कर दिया। अत्याचारी फिरंगी सरकार के खिलाफ छापामार गतिविधियों एवं उनके वाहनों को जलाने में हेमू सदा अपने साथियों का नेतृत्व करते थे।

हेमू ने अंग्रेजो की एक ट्रेन ,जिसमे क्रांतिकारियों का दमन करने के लिए हथियार एवं अंग्रेजी अफसरों का खूखार दस्ता था। उसे सक्खर पुल में पटरी की फिश प्लेट खोलकर गिराने का कार्य किया था जिसे अंग्रेजो ने देख लिया था। 1942 में क्रांतिकारी हौसले से भयभीत अंग्रजी हुकुमत ने हेमू की उम्र कैद को फांसी की सजा में तब्दील कर दिया। पूरे भारत में सिंध प्रदेश में सभी लोग एवं क्रांतिकारी संघठन हैरान रह गये और अंग्रेज सरकार के खिलाफ विरोध प्रकट किया। हेमू को जेल में अपने साथियों का नाम बताने के लिए काफी प्रलोभन और यातनाये दी गयी लेकिन उसने मुंह नहीं खोला और फासी पर झुलना ही बेहतर समझा।

8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोडो आन्दोलन तथा करो या मरो का नारा दिया। इससे पूरे देश का वातावरण एकदम गर्म हो गया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या इसके लिए जान दे देंगे। अंग्रेजों को बारत छोड कर जाना ही होगा। जनता तथा ब्रिटिश सरकार के बीच लडाई तेज हो गई। अधिकांश कांग्रेसी नेता पकड पकड कर जेल में डाल दिए गए। इससे छात्रों,किसानों,मजदूरों,आदमी,औरतों व अनेक कर्मचारियों ने आन्दोलन की कमान स्वयं सम्हाल ली।

पुलिस स्टेशन,पोस्ट आफिस,रेलवे स्टेशन आदि पर आक्रमण प्रारंभ हो गए। जगह जगह आगजनी की घटनाएं होने लगी। गोली और गिरफ्तारी के दम पर आंदोलन को काबू में लाने की कोशिश होने लगी। हेमू कालानी सर्वगुण संपन्न व होनहार बालक था,जो जीवन के प्रारंभ से ही पढाई लिखाई के अलावा अच्छा तैराक,तीव्र साईकिल चालक तथा अच्छा धावक भी था। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुआ था। सिंध प्रान्त में भी तीव्र आन्दोलन उठ खडा हुआ तो इस वीर युवा ने आंदोलन में बढ चढकर हिस्सा लिया।

अक्टूबर 1942 में हेमू को पता चला कि अंग्रेज सेना की एक टुकडी तथा हथियारों से भरी ट्रेन उसके नगर से गुजरेगी तो उसने अपने साथियों के साथ इस ट्रेन को गिराने की सोची। उसने रेल की पटरियों की फिशप्लेट निकालकर पटरी उखाडने तथा ट्रेन को डिरेल करने का प्लान तैयार किया। हेमू और उनके दोस्तों के पास पटरियों के नट बोल्ट खोलने के लिए कोई औजार नहीं थे अतः लोहे की छडों से पटरियों को हटाने लगे,जिससे बहुत आवाज होने लगी। जिससे हेमू और उनके दोस्तों को पकडने के लिए एक दस्ता तेजी से दौडा। हेमू ने सब दोस्तो को भगा दिया किन्तु खुद पकडा गया और जेल में डाल दिया गया।

नवरात्र : सियासी सरगर्मी बढ़ेगी, फिर थमेगा माहौल

-सुरेश गांधी

वसंत की मद्धम हवाओं के बीच जब प्रकृति नवजीवन का उत्सव मनाने लगती है, उसी समय भारतीय आस्था का सबसे सशक्त पर्व—चैत्र नवरात्र—अपने साथ केवल धार्मिक उल्लास ही नहीं, बल्कि समय की धड़कनों को समझने का एक सूक्ष्म अवसर भी लेकर आता है। वर्ष 2026 का यह नवरात्र विशेष है, क्योंकि इसमें निहित संकेत केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सियासी परिदृश्य तक अपनी छाप छोड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस बार का नवरात्र एक स्पष्ट संदेश देता है—शुरूआत में हलचल, मध्य में संघर्ष और अंततः संतुलन। यह संदेश केवल मान्यता नहीं, बल्कि ज्योतिषीय गणनाओं, ग्रह-नक्षत्रों की चाल और पारंपरिक संकेतों का समन्वित निष्कर्ष है। इस वर्ष 19 मार्च से आरंभ हो रहा चैत्र नवरात्र केवल परंपरा का पालन भर नहीं, बल्कि दुर्लभ खगोलीय और आध्यात्मिक संयोगों का संगम बनकर सामने आ रहा है। खास बात यह है कि इस बार घटस्थापना ऐसे समय में हो रही है, जब चैत्र अमावस्या का प्रभाव भी विद्यमान रहेगा—एक ऐसा योग, जिसे लगभग 72 वर्षों बाद बनने वाला अत्यंत शक्तिशाली संयोग माना जा रहा है। यह नवरात्र केवल पूजा का नहीं, बल्कि परिवर्तन का संकेतक बनकर सामने आ रहा है। अमावस्या का प्रभावः पुराने संकटों का अंत. प्रतिपदा का उदयः नए अवसरों की शुरूआत. तीन शुभ योगः सफलता, ज्ञान और समृद्धि का मार्ग. यानी यह समय एक तरह से रीसेट का है—जहां जीवन, समाज और परिस्थितियां एक नए संतुलन की ओर बढ़ सकती हैं।

आस्था का उत्सव, संकेतों का विज्ञान

भारतीय संस्कृति में दुर्गा केवल शक्ति की देवी नहीं, बल्कि समय-चक्र की अधिष्ठात्री मानी जाती हैं। नवरात्र के दौरान उनका आगमन और प्रस्थान जिस वाहन से होता है, उसे एक प्रतीकात्मक भाषा के रूप में देखा जाता है—एक ऐसी भाषा, जो आने वाले समय की संभावनाओं और चुनौतियों की ओर संकेत करती है। वर्ष 2026 में नवरात्र का आरंभ गुरुवार को हो रहा है, जिसके कारण मां का पालकी (डोली) में आगमन माना गया है। शास्त्रों में पालकी को स्थिरता की बजाय गति और असंतुलन का प्रतीक माना गया है। इसका अर्थ यह नहीं कि संकट अपरिहार्य है, बल्कि यह कि समय कुछ अस्थिरता और परीक्षण के दौर से गुजर सकता है।

सियासी सरगर्मीः संकेत क्यों हैं तेज?

सियासी सरगर्मी बढ़ेगीह्न—यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि इस नवरात्र के प्रमुख संकेतों में से एक है। जब हम इसे गहराई से समझते हैं, तो इसके पीछे कई स्तरों पर कारण दिखाई देते हैं। पहला कारण है ग्रहों की चाल। विशेष रूप से शनि देव का उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में पद परिवर्तन। शनि को न्याय, अनुशासन और कर्म का प्रतीक माना जाता है। जब शनि अपनी स्थिति बदलते हैं, तो वह सत्ता, व्यवस्था और नेतृत्व से जुड़े क्षेत्रों में हलचल का कारण बनते हैं। यह हलचल कई रूपों में सामने आ सकती है— राजनीतिक बयानबाजी का तेज होना. नीतिगत निर्णयों पर मतभेद. सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव. जनभावनाओं में उतार-चढ़ाव. दूसरा कारण है पालकी का संकेत। पालकी, जो सामूहिक गति और अस्थिरता का प्रतीक है, यह बताती है कि समाज में एक प्रकार की बेचैनी या असंतुलन उभर सकता है। यह बेचैनी राजनीतिक माहौल में भी परिलक्षित हो सकती है।

अमावस्या की छाया में स्थापना

सामान्यतः घटस्थापना शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा में की जाती है, जो नए आरंभ और प्रकाश का प्रतीक है। लेकिन इस बार सूर्योदय अमावस्या तिथि में हो रहा है, जिससे अमावस्या की ऊर्जा और प्रतिपदा का शुभारंभ एक साथ प्रभावी हो रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संयोग दो विपरीत शक्तियों का मिलन है— अमावस्याः अंत, आत्ममंथन और आंतरिक शुद्धि का प्रतीक. प्रतिपदाः सृजन, शुरूआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक. इसका सीधा संकेत है— पुराने नकारात्मक चक्रों का अंत और नए सकारात्मक दौर की शुरूआत।

सामाजिक और आर्थिक प्रभावः अस्थिरता का दौर

नवरात्र के प्रारंभिक दिनों में जो हलचल दिखाई दे सकती है, उसका प्रभाव केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। यह समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को भी प्रभावित कर सकता है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। निवेश और व्यापार में अनिश्चितता बढ़ सकती है। यह वह समय होगा जब लोग जोखिम लेने से बचेंगे और सतर्कता को प्राथमिकता देंगे। सामाजिक स्तर पर भी एक प्रकार की अस्थिरता दिखाई दे सकती है।

जनभावनाओं में संवेदनशीलता बढ़ेगी

छोटी-छोटी घटनाएं बड़ा रूप ले सकती हैं. संवाद की जगह विवाद बढ़ने की संभावना रहेगी. हालांकि यह स्थिति स्थायी नहीं होगी, बल्कि एक संक्रमण काल की तरह होगी—एक ऐसा समय, जो बदलाव की पृष्ठभूमि तैयार करता है।

संतुलन की वापसीः हाथी का शुभ संकेत

जहां एक ओर नवरात्र का आरंभ हलचल का संकेत दे रहा है, वहीं इसका समापन एक अत्यंत सकारात्मक संदेश लेकर आ रहा है। शुक्रवार को नवरात्र का अंत होने के कारण मां दुर्गा का हाथी पर प्रस्थान माना गया है। हाथी भारतीय संस्कृति में स्थायित्व, समृद्धि और शांति का प्रतीक है। यह संकेत देता है कि जो अस्थिरता प्रारंभ में दिखाई देगी, वह धीरे-धीरे समाप्त होगी और उसकी जगह संतुलन और स्थिरता लेगी। इसका प्रभाव कई स्तरों पर देखा जा सकता है— कृषि क्षेत्र में सुधार और अच्छी वर्षा के संकेत. आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता. राजनीतिक माहौल में संतुलन और समझदारी. सामाजिक जीवन में शांति और सामंजस्य. यह मानो समय का यह संदेश है कि हर हलचल के बाद स्थिरता आती है, और हर संघर्ष के बाद समाधान।

शनि का प्रभावः कर्म का निर्णायक समय

वर्ष 2026 का यह नवरात्र एक यात्रा है— अस्थिरता से स्थिरता की, तनाव से शांति की, और परीक्षा से परिणाम की। सियासी सरगर्मी बढ़ेगी, यह संकेत स्पष्ट है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि यह सरगर्मी स्थायी नहीं होगी। अंततः परिस्थितियां संतुलित होंगी, माहौल शांत होगा, और जीवन अपनी सामान्य गति में लौट आएगा। यही इस नवरात्र का संदेश है – हलचल आएगी, पर टिकेगी नहीं; संतुलन लौटेगा, और वही स्थायी होगा. चैत्र नवरात्र का यह दुर्लभ संयोग हमें यह सिखाता है कि अंधकार और प्रकाश साथ-साथ चलते हैं, लेकिन अंततः प्रकाश ही विजयी होता है। अमावस्या की गहराई से उठकर प्रतिपदा की नई सुबह की ओर बढ़ना ही इस नवरात्र का वास्तविक अर्थ है। यही समय है—पुराने को त्यागकर, नए को अपनाने का। यही समय है—आस्था को ऊर्जा में बदलने का

इस नवरात्र का एक और महत्वपूर्ण पहलू है शनि देव का प्रभाव। शनि, जिन्हें न्यायाधीश के रूप में देखा जाता है, इस समय अपने नक्षत्र में परिवर्तन कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि अब कर्मों का परिणाम अधिक स्पष्ट और तीव्र रूप में सामने आएगा। जो प्रयास लंबे समय से चल रहे थे, उनका परिणाम मिलने लगेगा. गलत निर्णयों या अनैतिक कार्यों का प्रभाव सामने आएगा. ईमानदारी और अनुशासन का प्रतिफल मिलेगा. यह समय एक प्रकार से परीक्षा का परिणाम है—जहां हर व्यक्ति और हर व्यवस्था को अपने कर्मों के आधार पर फल प्राप्त होगा।

आम जनजीवन पर प्रभाव

सामान्य व्यक्ति के लिए यह नवरात्र कई प्रकार के अनुभव लेकर आ सकता है। शुरूआत में मानसिक बेचैनी, निर्णयों में असमंजस और परिस्थितियों को लेकर चिंता हो सकती है। लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा, स्पष्टता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। यह समय आत्मचिंतन का भी है।

अपने निर्णयों की समीक्षा

जीवन की प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण. आध्यात्मिकता की ओर झुकाव. नवरात्र का यही वास्तविक उद्देश्य भी है—बाहरी परिस्थितियों के बीच अपने भीतर संतुलन बनाए रखना।

नवरात्र का आध्यात्मिक संदेश

चैत्र नवरात्र हमें यह सिखाता है कि जीवन केवल बाहरी घटनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि हमारे भीतर की स्थिति का भी प्रतिबिंब है। पालकी का आगमन हमें सावधान करता है, शनि का परिवर्तन हमें जागरूक करता है, और हाथी का प्रस्थान हमें आश्वस्त करता है। यह तीनों मिलकर एक ही संदेश देते हैं— परिस्थितियां बदलेंगी, लेकिन संतुलन बनाए रखना हमारे हाथ में है।

घटस्थापनाः ऊर्जा का केंद्र

हिंदू परंपरा में कलश को सृष्टि का प्रतीक माना गया है। इसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश सहित समस्त तीर्थों का निवास माना जाता है। जब नवरात्र में कलश स्थापित होता है, तो वह केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि घर में देवी शक्ति, जीवन ऊर्जा और सकारात्मक कंपन का केंद्र बन जाता है। इस बार अमावस्या के प्रभाव के कारण यह ऊर्जा और भी गहन और प्रभावशाली मानी जा रही है।

तीन महाशुभ योगः बदलते समय का संकेत

इस बार घटस्थापना के दिन तीन विशेष योग बन रहे हैं, जो इस नवरात्र को और भी प्रभावशाली बना देते हैं।

1. शुक्ल योग : यह योग पवित्रता और शुभता का प्रतीक है। धार्मिक कार्यों में सफलता. नए कार्यों की शुभ शुरूआत. घर में शांति और सकारात्मक वातावरण. यह योग बताता है कि भक्ति और शुभ कर्मों से परिस्थितियां अनुकूल बन सकती हैं।

2. ब्रह्म योग : ज्ञान और आध्यात्मिक उन्नति का विशेष योग। अध्ययन, साधना और ध्यान के लिए श्रेष्ठ समय. बुद्धि और विवेक में वृद्धि. गुरु कृपा प्राप्त होने के संकेत. यह योग संकेत देता है कि आने वाला समय केवल बाहरी नहीं, आंतरिक विकास का भी होगा।

नवरात्रि की द्वितीय दिव्य-शक्ति माता ब्रह्मचारिणी

संजीव ठाकुर

माता ब्रह्मचारिणी साधना और तप की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य बिना कठिन परिश्रम और धैर्य के प्राप्त नहीं होता

नवरात्रि का दूसरा दिन देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी को समर्पित, उन्हें कोटि-कोटि प्रणाम।

यह स्वरूप तपस्या, संयम, त्याग और अदम्य साधना का प्रतीक माना जाता है। ब्रह्मचारिणी शब्द दो भागों से मिलकर बना है ब्रह्म अर्थात तप या परम सत्य, और चारिणी अर्थात आचरण करने वाली। अर्थात जो ब्रह्म (तप) का आचरण करती हैं, वही ब्रह्मचारिणी हैं। यह रूप हमें जीवन में धैर्य, आत्मसंयम और लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप और प्रतीकात्मकता माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप अत्यंत साधारण, सौम्य और तपस्विनी है। वे नंगे पैर चलने वाली, हाथ में जपमाला और कमंडल धारण किए हुए दिखाई देती हैं। उनका यह स्वरूप बाहरी आडंबर से दूर रहकर आत्मिक शक्ति की ओर संकेत करता है। जपमाला साधना और ध्यान का प्रतीक है, जबकि कमंडल तप और त्याग का प्रतिनिधित्व करता है। उनके मुख पर दिव्य तेज और शांति का भाव होता है, जो साधना के उच्चतम स्तर को दशार्ता है। पौराणिक कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में माता ब्रह्मचारिणी का जन्म राजा हिमालय के घर पुत्री के रूप में हुआ था, जिनका नाम पार्वती था। बचपन से ही उनका मन भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए समर्पित था। देवर्षि नारद ने उन्हें शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या का मार्ग बताया।

इसके बाद माता पार्वती ने घोर तपस्या आरंभ की। उन्होंने हजारों वर्षों तक कठिन व्रत और संयम का पालन किया। प्रारंभ में उन्होंने फल-फूल खाकर जीवन व्यतीत किया, फिर केवल पत्तों पर रहने लगीं। अंततः उन्होंने अन्न और जल का भी त्याग कर दिया। उनकी इस कठोर तपस्या के कारण उन्हें ह्यअपर्णाह्न नाम से भी पुकारा गया, जिसका अर्थ वह जिसने पत्तों तक का त्याग कर दिया। उनकी तपस्या इतनी प्रबल थी कि देवता, ऋषि और स्वयं ब्रह्मा भी प्रभावित हुए। अंततः भगवान शिव उनकी इस कठोर साधना से प्रसन्न हुए और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। यही तपस्विनी पार्वती नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी के रूप में पूजी जाती हैं।

माता ब्रह्मचारिणी साधना और तप की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य बिना कठिन परिश्रम और धैर्य के प्राप्त नहीं होता। उनका स्वरूप आत्म-नियंत्रण, त्याग और संकल्प की शक्ति का प्रतीक है। उनकी आराधना से भक्तों को मानसिक शांति, आत्मबल और दृढ़ता प्राप्त होती है। यह माना जाता है कि जो साधक सच्चे मन से माता ब्रह्मचारिणी की पूजा करता है, उसे अपने जीवन के संघर्षों में सफलता मिलती है और उसके मार्ग की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा विशेष विधि से की जाती है। भक्त प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और माता की प्रतिमा या चित्र के सामने दीप, धूप और फूल अर्पित करते हैं। उन्हें शक्कर, मिश्री और पंचामृत का भोग लगाया जाता है, जो दीघार्यु और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटना नहीं चाहिए। निरंतर प्रयास, संयम और विश्वास के साथ हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज के भौतिकवादी युग में, जहां लोग त्वरित सफलता की चाह रखते हैं, माता ब्रह्मचारिणी हमें धैर्य और साधना का महत्व समझाती हैं।

डोंबिवली में गुढी पाडवा का भव्य उत्सव, 150 फीट ऊंची महागुढी बनी आकर्षण का केंद्र

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। गुढी पाडवा के पावन अवसर पर महाराष्ट्र के डोंबिवली शहर में आयोजित नववर्ष स्वागत यात्रा इस बार भव्यता और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आई। इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण रहा नेहरू मैदान में स्थापित की गई 150 फीट ऊंची विशाल महागुढी, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने इस भव्य गुढी को विशाल हिंदुत्व और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम है, बल्कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास भी है। डोंबिवली में नववर्ष स्वागत यात्रा का यह 28वां वर्ष था। इस सांस्कृतिक पहल की शुरूआत श्री गणेश मंदिर संस्थान के माध्यम से की गई थी, जिसका उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। चव्हाण ने इस पहल का श्रेय भाजपा और संघ परिवार से जुड़े आबासाहेब पटवारी और सुधीर जोगळेकर को दिया, जिन्होंने इसे एक मजबूत सांस्कृतिक और राष्ट्रवाद की भावना को प्रस्तुत किया। इस वर्ष की शोभायात्रा में दो विशेष झांकियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ये झांकियां वंदे मातरम के 150वें वर्ष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100वें वर्ष पर आधारित थीं। इन झांकियों के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, क्रांतिकारी देशसेवक थीम पर आधारित वेशभूषा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 5 साल के बच्चों से लेकर 75 साल के बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता को 25,000 रुपये और उपविजेता को 15,000 रुपये की नकद राशि के साथ अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस पूरे आयोजन में डोंबिवलीकरों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि परंपरा और देशभक्ति का संगम समाज को एक नई ऊर्जा देता है।

मुंबई की मेट्रो लाइन 3 में गायब है सिग्नल, हजारों यात्री परेशान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की मेट्रो लाइन 3 में कनेक्टिविटी की कमी एक बड़ी समस्या बन गई है जो शहरी योजना पर गंभीर सवाल उठा रही है। लाखों यात्रियों को सफर के दौरान मोबाइल नेटवर्क नहीं मिल रहा है जिसकी वजह से वो किसी भी तरह की जरूरी बातचीत और संपर्क से पूरी तरह कट जाते हैं। इस रूट पर कुल 27 में से 26 स्टेशन अंडरग्राउंड हैं। ऐसे में यात्रियों को सुरंगों और स्टेशनों के अंदर पूरा नेटवर्क ब्लैकआउट झेलना पड़ रहा है। सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन से कफ परेड के बीच यह समस्या विशेष रूप से गंभीर है। इस रूट पर यात्रा करने वाले ज्यादातर लोगों का मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह चला जाता है और वो सफर के दौरान बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट जाते हैं। यह समस्या उस साझा टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के बंद होने के बाद सामने आई है जो पहले अउएर इंडिया द्वारा प्रदान किया गया था और जिसकी मदद से इस मेट्रो रूट पर कनेक्टिविटी मिलती थी। बताया जा रहा है कि यह बदलाव नए नियमों और संशोधित फ्रँ ड्ड हं८ पॉलिसी से जुड़ा है। पुराना सिस्टम हटाए जाने की वजह से यात्रियों को चिंता है कि इन जरूरी टेलीकॉम सेवाओं को फिर से बहाल करने में आमतौर पर 6 से 12 महीने तक का समय लग सकता है, जैसा कि ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर के काम में लगता है।

अंडरग्राउंड मेट्रो सिस्टम में भरोसेमंद टेलीकॉम नेटवर्क का न होना सिर्फ असुविधा नहीं है बल्कि ये सीधे-सीधे यात्रियों, खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और छात्रों की सुरक्षा को प्रभावित करता है। कॉल, मैसेज या डेटा सर्विस का एक्सेस ना होने की वजह से सफर के दौरान यात्री पूरी तरह बाहरी दुनिया से कट जाते हैं। ऐसे में यात्री किसी भी इमरजेंसी में न तो संपर्क कर पाते हैं और न ही जरूरी जानकारी हासिल कर पाते हैं।

मेट्रो लाइन 3, करीब 13 लाख लोगों को रोज सफर कराने के लिए बनाई गई है। इसका मकसद मुंबई के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क पर दबाव कम करना है। मेट्रो लाइन 3, जिसे एक्वा लाइन भी कहा जाता है, को साउथ मुंबई और सबर्ब्स के बीच एक घंटे से कम समय में आसान और भरोसेमंद कनेक्शन देने के लिए डिजाइन किया गया था। लेकिन अगर यात्रियों को लगातार कनेक्टिविटी की समस्या का सामना करना पड़ता है, तो इससे उनका भरोसा कम हो सकता है और लोग इस सिस्टम को अपनाने की गति धीमी हो सकती है।

गर्लफ्रेंड के घरवालों ने किया टॉर्चर, मुंबई पुलिस कॉस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र से एक हिला देनेवाली खबर आई है। यहां मुंबई पुलिस के 32 वर्षीय कॉन्स्टेबल का शव कलिना पुलिस मुख्यालय में मिला। उनके पास एक सुइसाइड नोट भी था जिसमें उन्होंने अपनी प्रेमिका के परिवार के लगातार उत्पीड़न का आरोप लगाया। कॉन्स्टेबल भैयासाहेब भीमराव वावले महाराष्ट्र के परभणी इलाके के रहने वाले थे। उन्होंने 7 फरवरी, 2026 को ही ड्राइवर के रूप में पुलिस बल में जॉइनिंग की थी और वह कलिना प्रशिक्षण केंद्र में ट्रेनिंग ले रहे थे। जांचकताओं ने घटनास्थल से एक आत्महत्या पत्र बरामद किया। इस सुइसाइड नोट की भैयासाहेब के पिता ने पुष्टि की है कि यह उन्हीं ने लिखा था। पत्र की सामग्री और परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से पता चलता है कि उन पर व्यक्तिगत संबंधों से जुड़ा दबाव था। वावले नांदेड़ की एक महिला के साथ रिश्ते में थे, जिसका कथित तौर पर उसके परिवार द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा था। पत्र के अनुसार, उसके माता-पिता बार-बार उनसे रिश्ता तोड़ने का आग्रह कर रहे थे। पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि महिला के परिवार ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। कॉन्स्टेबल ने लिखा कि लड़की घरवालों ने उनसे कहा, 'खुद को मार डालो या सस्पेंड कर दिया जाएगा।' इसमें यह भी संकेत मिलता है कि वे उनका उत्पीड़न जारी रखते हुए उनकी शादी कहीं और कराने की योजना बना रहे थे। शिकायत के बाद, वकोला पुलिस ने महिला के माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आत्महत्या पत्र को महत्वपूर्ण सबूत के रूप में जब्त कर लिया गया है। वकोला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सुइसाइड नोट ट्रेनी कॉन्स्टेबल के पेंट्स के जेब में पड़ा था।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत का समुद्री व्यापार मजबूत : मंत्री सबार्नंद सोनोवाल

मुंबई(उत्तरशक्ति)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन व जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने गुरुवार को पत्तन एवं समुद्री क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ समीक्षा एवं परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वैश्विक पोत परिवहन के बदलते परिदृश्य के अनुरूप रणनीतिक अनुकूलन पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में शिपिंग लाइनों, टर्मिनल ऑपरेटरों और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पोत परिवहन में संभावित व्यवधान, समय-सारिणी में बदलाव व माल प्रवाह में आने वाली रुकावटों जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य फोकस प्रचालन की निरंतरता बनाये रखने, देरी को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर रहा। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच आयात-निर्यात पर पड़ रहे प्रभावों की भी समीक्षा की गई। हितधारकों ने वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी देते हुए प्रभावी प्रबंधन के लिए उठाये गये कदमों से अवगत कराया। अपने संबोधन में मंत्री सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने समुद्री व्यापार की सुरक्षा के लिए त्वरित और समन्वित कदम उठाये हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय पत्तनों ने बदलती परिस्थितियों में अपनी क्षमता और दक्षता का परिचय दिया है, जिसमें वैकल्पिक मार्गो से आने वाले पोतों का प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय चालक दल को मानवीय सहायता और व्यापार सुगमता उपाय शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय के चलते वास्तविक समय में निगरानी, निर्बाध कार्गो आवागमन और आपूर्ति श्रृंखला में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का समुद्री क्षेत्र मजबूत और सतर्क बना हुआ है। बैठक में जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के अध्यक्ष गौरव दयाल और उपाध्यक्ष रविश कुमार सिंह ने भी पिछले 20 दिनों में उठाये गये कदमों की जानकारी दी। जेएनपीए ने मध्य पूर्व की स्थिति को देखते हुए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है, जिसमें डीजीएफटी, सीमा शुल्क और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। जेएनपीए द्वारा कई अहम कदम उठाये गये हैं, जिनमें मध्य पूर्व के लिए कार्गो हेतु अस्थायी ट्रांसशिपमेंट भंडारण, अतिरिक्त स्टोरेज की व्यवस्था और एड-हॉक पोत कॉल्स की सुविधा शामिल है। साथ ही फुजैराह, खोर फक्कान (यूएई) तथा सोहार, मस्कट और सलालाह (ओमान) जैसे वैकल्पिक पत्तनों के माध्यम से कार्गो भेजा जा रहा है।

सीमा शुल्क विभाग ने भी बैक टू टाउन (बीटीटी) प्रक्रिया को सरल बनाते हुए निर्यात कार्गो की आवाजाही को आसान किया है। इसके तहत कई शुल्क और दंड माफ किये गये हैं, साथ ही कंटेनरों की जांच प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। जेएनपीए ने कंटेनर शुल्क में छूट, रीफर कंटेनरों के लिए विशेष रियायतें और एंकरज सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराकर व्यापार को राहत दी है। वर्तमान में पत्तन की कुल क्षमता का लगभग 50% ही उपयोग हो रहा है, जिससे पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 20 दिनों में लगभग 16,000 टीईयू कंटेनर मध्य पूर्व भेजे गये, जबकि 1,700 टीईयू कंटेनर बैक टू टाउन के तहत वापस लाये गये। एंकरज पर पोतों की संख्या 9 से घटकर 4 हो गई है, जो बेहतर प्रबंधन का संकेत है। मध्य पूर्व में तनाव के बावजूद भारत ने वैश्विक बाजारों में अपनी विश्वसनीयता बनाये रखी है। मजबूत बुनियादी ढांचे और समन्वित प्रयासों के कारण देश का समुद्री व्यापार स्थिर और सुदृढ़ बना हुआ है, जिससे भारत एक भरोसेमंद वैश्विक व्यापारिक साझेदार के रूप में उभर रहा है।

भिवंडी में पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय के छात्रों की नववर्ष शोभायात्रा में धामनकरनाका मित्र मंडल द्वारा किया गया भव्य स्वागत

भिवंडी। चैत्र प्रतिपदा गुढीपाडवा के पावन अवसर पर शहर में जगह-जगह उत्सव का माहौल देखने को मिला। इसी कड़ी में पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय एवं कनिष्ठ महाविद्यालय द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह शोभायात्रा अपने 19वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। संस्थाध्यक्ष विजय जाधव, उपाध्यक्षा अरुणा जाधव, महासचिव रोहित जाधव, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीराम भोईर तथा मुख्याध्यापक सुधीर घागस के नेतृत्व में निकली इस शोभायात्रा में विद्यालय के साथ-साथ सेठ जुगीलाल पोद्दार इंग्लिश मीडियम स्कूल और विद्याश्रम मराठी स्कूल के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और पूर्व विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोभायात्रा में लेझिम पथक, ढोल-ताशा पथक, ग्रंथ दिंडी, वृक्ष दिंडी, तारपा नृत्य, झांज पथक आदि आकर्षण का केंद्र रहे। छात्रों ने मराठी शाला समृद्ध शाला और प्रदूषण टालें जैसे संदेश लिखे फलक लेकर समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। पद्मानगर क्षेत्र में इस शोभायात्रा का स्वाभिमान सेवा संस्था और धामणकर नाका मित्र मंडल की ओर से भव्य स्वागत किया गया। संस्था के संस्थापक संतोष शेट्टी के नेतृत्व में करीब 3000 विद्यार्थियों को ठंडी फ्रूटी वितरित की गई। इस अवसर पर नगरसेवक राजेश शेट्टी, स्वाभिमान सेवा संस्था के अध्यक्ष हसमुख पटेल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। शोभायात्रा का यह आयोजन पूरे शहर में उत्साह और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला साबित हुआ।

महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की नई राज्य कार्यकारिणी घोषित

प्राचार्या प्रमोदिनी मंडपे बनीं प्रदेश अध्यक्ष

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (अंनिस) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक 14 व 15 मार्च को कास पठार (सातारा) में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की वरिष्ठ कार्यकर्ता प्राचार्या प्रमोदिनी सुकुमार मंडपे को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष चुना गया।

बतादें कि प्राचार्या मंडपे पिछले करीब 40 वर्षों से अंनिस के कार्य से जुड़ी हुई हैं और डॉ. नरेंद्र दाभोलकर के साथ संगठन की स्थापना से ही सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वे रयत शिक्षण संस्था के डी.एड. कॉलेज की प्राचार्या रह चुकी हैं तथा अंधविश्वास उन्मूलन विषय पर कई पुस्तकों की लेखिका भी हैं। वहीं बैठक में सरोजमाई पाटील को संगठन का मार्गदर्शक सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया।

इस नई राज्य कार्यकारिणी (2026-2029) में बुवाबाजी संघर्ष विभाग के कार्यवाह पद पर नंदिनी जाधव (पुणे), सोशल मीडिया विभाग के कार्यवाह पद पर वाघेश सालुंखे (सांगली), सांस्कृतिक विभाग के कार्यवाह पद पर डॉ. अस्मिता बालगावकर (सोलापुर), जात निर्मूलन व विवेकपूर्ण विवाह चयन विभाग के कार्यवाह पद पर शंकर कणसे (सातारा), प्रकाशन विभाग के कार्यवाह पद पर प्रभाकर नानावटी (बेलगाव), महिला विभाग के कार्यवाह पद पर उषा शहा (सोलापुर), युवा विभाग के कार्यवाह पद पर बालू माली (कोल्हापुर), मानसिक स्वास्थ्य विभाग के कार्यवाह पद पर वंदना माने (सातारा), उपसंघटना बांधणी के कार्यवाह पद पर डॉ. हमीद दाभोलकर (सातारा), प्रशिक्षण विभाग के कार्यवाह पद पर सम्राट हटकर (नांदेड़), कायदा विभाग के कार्यवाह पद पर एड. दीपक भाते (पालघर) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा विभिन्न विभागों में सहकार्यवाहों और संपादक मंडल की भी नियुक्तियां की गई हैं। चयनित सदस्यों में से 20 लोगों की राज्य कार्यकारी समिति भी गठित की गई है। बैठक में राज्य के 23 जिलों के 121 तहसीलों से 300 से अधिक कार्यकताओं ने भाग लिया। दो दिवसीय इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल आयोजन सातारा जिला शाखा द्वारा किया गया। अंनिस की इस नई कार्यकारिणी से राज्यभर में अंधश्रद्धा निर्मूलन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक जागरूकता के कार्यों को और अधिक गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भिवंडी के कशेली स्थित फर्नीचर मार्केट में लगी भीषण आग में 15 दुकानें जलकर खाक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी-ठाणे रोड पर कशेळी खाड़ी के पास स्थित चामुंडा कॉम्प्लेक्स के फर्नीचर मार्केट में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे भीषण आग लगने की घटना सामने आई। सड़क किनारे मेट्रो लाइन से महज 10 फीट की दूरी पर स्थित इन दुकानों में आग लगने से मेट्रो के खंभे भी काले पड़ गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग सबसे पहले नीचे स्थित एक दुकान में लगी और देखते ही देखते तेजी से फैल गई। इस भीषण आग में नीचे की 9 और ऊपर सड़क किनारे की 6 दुकानों समेत कुल 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की दो गाड़ियां और ठाणे अग्निशमन दल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, हालांकि पूरी तरह आग बुझाने में लगभग पांच घंटे का समय लगने की बात अधिकारियों ने कही। आग लगने के दौरान ऊपर स्थित दुकानों के मालिकों ने अपने कामगारों की मदद से तैयार फर्नीचर को बाहर निकालकर बचाने का प्रयास किया, जिससे कुछ सामान सुरक्षित बचाया जा सका। इसके बावजूद इस हादसे में भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बिक गई पुश्तैनी जमीन, चार नाकाम कोशिश के बाद मिला खरीदार

मुंबई। 1993 मुंबई सीरियल बम ब्लास्ट के मास्टरमाइंड और भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की चार पुस्तैनी जमीन को आखिरकार केंद्र सरकार ने नीलाम कर दिया है। मुंबई के एक बिडर (खरीदार) द्वारा सबसे ऊंची बोली लगाए जाने के बाद जमीन का सौदा हो गया है। दाऊद इब्राहिम से जुड़े ये चारों प्लॉट रत्नागिरी जिले के मुंबाके गांव में हैं। इसे दाऊद इब्राहिम का पुश्तैनी गांव माना जाता है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से कई प्लॉट पहले उसकी मां अमीना बी के नाम पर रजिस्टर्ड थे। सरकार ने यह नीलामी 'स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स (प्रॉपर्टी जब्ती) एक्ट' के तहत की। सरकार की तरफ से दाऊद इब्राहिम की पुस्तैनी जमीन को नीलाम करने की पहली कोशिश 2017 में की गई थी। चार नाकाम कोशिशों के बाद 5 मार्च को भगोड़े मोस्ट वांटेड डॉन की जमीन नीलाम हो गई।

सरकार ने सुरक्षा कारणों से मुंबई के खरीदार की पहचान को उजागर नहीं किया। नीलामी के बाद बताया जा रहा है कि मुंबई के एक व्यक्ति ने जमीन के एक टुकड़े सर्वे नंबर 442 (भाग 13-इ) लिए सबसे ऊंची बोली लगाई और उसे 10 लाख रुपये से ज्यादा में खरीद लिया। इसकी रिजर्व कीमत 9.41 लाख रुपये थी।

इस प्लॉट के लिए दो लोगों ने बोली लगाई, एक मुंबई से और दूसरा रत्नागिरी से था। बाकी तीन प्रॉपर्टीज, सर्वे नंबर 533, 453 और 617 के लिए सिर्फ एक ही बोली लगाने वाला सामने आया। उसने नीलामी की सभी तय शर्तें पूरी कीं और उन्हें सफलतापूर्वक खरीद लिया। इन जमीन के टुकड़ों की रिजर्व कीमतें क्रमश 2.33 लाख रुपये, 8.08 लाख रुपये और 15,440 रुपये थीं। दाऊद इब्राहिम 1993 मुंबई धमाकों में वांटेड है।

ये चारों जमीन के टुकड़े मुंबई के बोली लगाने वाले को ही मिले हैं। नियमों के अनुसार, बोली लगाने वाले को अप्रैल 2026 की शुरूआत तक पेमेंट पूरा करना होगा। यह लेन-देन सक्षम अधिकारी की अंतिम मंजूरी के अधीन होगा।

क्यू विभाग के मनमानी के खिलाफ आजाद मैदान में आंदोलन

ऑर्केस्ट्रा बार के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर जरियाल ने किया भूख हड़ताल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पश्चिम उपनगर के क्यू विभाग में शुरू अनियमित रूप से आर्केस्ट्रा बार के खिलाफ और एक्साइज विभाग के अधिकारियों की कुंभकर्णी निद्रा के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर जरियाल ने आजाद मैदान में एक दिवसीय भूख हड़ताल करके सरकार का ध्यान खींचा है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर जरियाल के इस आंदोलन को सामाजिक , राजनीतिक और विभिन्न पार्टियों के कार्यकताओं ने भी समर्थन दिया है। आंदोलन कर रहे आर टी आई एक्टिविस्ट मनोहर जरियाल ने पत्रकारों को बताया कि ऑर्केस्ट्रा बार की वजह से देर रात तक होने वाली भगदड़, तीव्र आवाज और ट्रैफिक के कारण काम धंधे से लौटने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। बता दें कि सांताक्रूज इलाके में ह्यदह्र विभाग की सीमा के अंदर चल रहे कुछ ऑर्केस्ट्रा बार में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। जरियाल का आरोप है कि इस बारे में राज्य एक्साइज डिपार्टमेंट को बार-बार लिखकर शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया है। इसी मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए आर टी आई एक्टिविस्ट मनोहर जरियाल ने शनिवार 18 मार्च को राज्य एक्साइज डिपार्टमेंट के 'द' विभाग के इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ आजाद मैदान में एक दिन की भूख हड़ताल पर बैठे । जरियाल ने आरोप लगाया है कि सांताक्रूज के 'द' डिवीजन में आने वाले लक्षद्वीप, लोटस, झरना समेत कुछ ऑर्केस्ट्रा बार में बार को तय समय से ज्यादा देर तक खुला रखा जा रहा है। उन्होंने कहा है कि नियमों के मुताबिक बार को एक तय समय तक ही खुला रखने की इजाजत है, वहीं कुछ जगहों पर बार सुबह 5 बजे तक खुले रहते हैं। जिसके कारण मनोहर जरियाल ने सरकार का ध्यान खींचने के लिए आजाद मैदान में एक दिवसीय भूख हड़ताल की।

राज्यसभा के लिए चयनित सांसद रामराव वडकुते का मुंबई में हुआ भव्य सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई स्थित मराठी पत्रकार संघ के लोकमान्य सभागार में बुधवार को हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए सांसद . रामराव वडकुते का भव्य सम्मान समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इंडिया मीडिया लिंक एंड इवेंट्स मैनेजमेंट, मुंबई की ओर से आयोजित पत्रकार परिषद में सांसद वडकुते का हार्दिक अभिनंदन किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन मैनेजमेंट के संचालक के. रवि (दादा) की पहल पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं, वंचित वर्गों की कठिनाइयों तथा आम नागरिकों से संबंधित विषयों पर मीडिया के समक्ष विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में पत्रकार, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, वकील , अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों के अनेकों गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों की संख्या इतनी अधिक थी कि सभागार में बैठने के लिए पर्याप्त स्थान भी कम पड़ गया।

अपने संबोधन में संचालक के. रवि (दादा) ने कहा कि समाज से जुड़कर रहना प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है। समाज में रहते हुए समाज के लिए कार्य करने की भावना हर व्यक्ति के भीतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार छोटा ही सही, लेकिन समाज के लिए योगदान अवश्य देना चाहिए।इस अवसर पर सम्मानित अतिथि सांसद . रामराव वडकुते ने अपने मनोगत में कहा कि राज्यसभा में कार्य करते समय वे ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं, वंचित वर्गों के प्रश्नों तथा सामान्य नागरिकों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार के माध्यम से ईमानदारीपूर्वक प्रयास करेंगे। उन्होंने जनता द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास को पूर्ण करने के लिए निरंतर कार्यरत रहने का संकल्प भी व्यक्त करके के. रवि (दादा) को पूर्ण रूप से सहयोग देने के बाद उपस्थितियां के समक्ष कबुल की । कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रीतम जी ने की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुरेश यादव ने किया, जबकि उपस्थित सभी मान्यवरों का आभार अधिवक्ता . शंकर चव्हाण ने व्यक्त किया।इस अवसर पर फिल्म अभिनेता अली खान, डॉ. धनलक्ष्मी कृष्णअय्यर, के. टी. गोलानी यशवंत वानखेड़े, बाळासाहेब किसवे, डॉ. किशोर राऊत तथा चेतमन खडस (नेपाल एसोसिएशन अध्यक्ष) सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे।

विभिन्न क्षेत्रों से आए मान्यवरों की उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष महत्त्व प्राप्त हुआ। समाजहित से जुड़े विविध उपक्रमों के लिए एकजुट होकर कार्य करने की भावना व्यक्त करते हुए प्रेरणादायी वातावरण में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बाला वाडीयार, कन्नू यादव, नितिन पाटिल, रॉकी फर्नान्डिस तथा अरुण वडनेरे का विशेष सहयोग रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

UAPA और PSA को खत्म करने की उठी मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने UAPA और PSA जैसे कठोर कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन कानूनों को असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताते हुए तत्काल समाप्त करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि देश में पहले भी MISA, TADA और POTA जैसे कानूनों का दुरुपयोग हुआ, जिनका इस्तेमाल असहमति दबाने और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया गया था। अंततः जनदबाव के चलते इन कानूनों को समाप्त करना पड़ा।

अरशद खान ने आरोप लगाया कि आज वही स्थिति UAPA और PSA के रूप में दोहराई जा रही है। उन्होंने खास तौर पर जम्मू-कश्मीर, मणिपुर और असम का उल्लेख करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में इन कानूनों का सबसे अधिक दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने दावा किया कि केवल जम्मू-कश्मीर में ही हजारों लोग वर्षों से बिना सुनवाई के जेलों में बंद हैं, जो न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के माध्यम से संविधान के अनुच्छेद 14,

पूर्व विधायक अरशद खान का केंद्र सरकार पर निशाना

19 और 21 का उल्लंघन हो रहा है और जमानत नियम है, जेल अपवाद जैसे न्यायिक सिद्धांत को कमजोर किया जा रहा है।

पूर्व विधायक ने भीमा-कोरेगांव मामले का जिक्र करते हुए अधिवक्ता सुरेंद्र गाडलिंग समेत अन्य बंदियों की रिहाई की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम, खालिद सैफी, ताहिर हुसैन समेत अन्य आरोपियों को बिना ठोस साक्ष्य के लंबे समय तक हिरासत में रखने को अन्याय बताया।

अरशद खान ने केंद्र सरकार से मांग की कि UAPA और PSA के तहत बंद सभी लोगों को जमानत पर रिहा किया जाए, मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध समीक्षा कराई जाए तथा इन कानूनों को पूरी तरह समाप्त किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में असहमति को अपराध नहीं माना जा सकता और न ही कानून का इस्तेमाल नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलने के लिए किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से इस मुद्दे पर संज्ञान लेने और पीड़ितों के साथ खड़े होने की अपील की।

मदीना मस्जिद करियांव, मीरगंज में तरावीह मुकम्मल, अमन-चैन व विश्व शांति के लिए खास दुआएं

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामसभा करियांव, मीरगंज, जनपद जौनपुर स्थित मीरगंज बाजार की मदीना मस्जिद में 18 मार्च 2026 की मुबारक रात को तरावीह की नमाज बड़े ही रूहानी और नूरानी माहौल में मुकम्मल हुई। इस दौरान पूरे 30 पारों की तिलावत मुकम्मल की गई, जिसे सुनने के लिए सैकड़ों की संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी रही। तरावीह की नमाज जनाब मो. सद्दाम हाफिज साहब ने अदा कराई। उनकी दिलकश और प्रभावशाली तिलावत से मस्जिद का वातावरण पूरी तरह इबादत और आध्यात्मिकता में डूबा रहा। इस अवसर पर मस्जिद के इमाम जनाब नवाब हाफिज साहब, जनाब अब्दुल बासित हाफिज (कार्यकारिणी सदस्य) तथा मो सुब्हान साहब सहित क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे। मदीना मस्जिद ट्रस्ट करियांव के पदाधिकारीगण–अध्यक्ष मो. आमिर साहब, कोषाध्यक्ष शकील अहमद (शेरू), उपाध्यक्ष जनाब दिलशाद अहमद, सचिव जनाब कमालुद्दीन, संयुक्त सचिव जनाब मुस्तकीम, महासचिव जनाब मो.सुबराती, कार्यकारिणी सदस्य अतीक अहमद, अर्सलान अंसारी, मो आदिल, मो. इब्राहिम,नदीम, दिलशाद, वरिष्ठ सलाहकार मुख्तार अहमद, निजामुद्दीन, हारून, मुनव्वर तथा अन्य सदस्य चाँदबाबू (बणकू) और मो जाकिर की गरिमामयी उपस्थिति में यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस मुबारक मौके पर देश में अमन-चैन, आपसी

भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की मजबूती के लिए विशेष दुआएं की गईं। सभी ने मिलकर दुआ की कि हमारा देश हमेशा तरक्की की राह पर अग्रसर रहे और विभिन्न धर्मों व समुदायों के बीच प्रेम, सद्भाव और एकता बनी रहे। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे युद्धों, संघर्षों और अशांति की स्थिति को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। नमाज के बाद खास तौर पर यह दुआ की गई कि अल्लाह तआला पूरी दुनिया में शांति कायम फरमाए, जंग और खून-खराबे को खत्म करे तथा इंसानियत को आपसी मोहब्बत, इंसाफ और रहमत के रास्ते पर चलने की तौफीक अता फरमाए। उलमा-ए-किराम ने अपने बयान में कहा कि इस्लाम हमेशा अमन, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देता है। रमजान का महीना हमें सब्र, रहमत और एक-दूसरे के साथ भलाई करने का सबक सिखाता है। ऐसे पाक मौके पर की गई दुआएं न सिर्फ इंसान के दिल को सुकून देती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का भी जरिया बनती हैं। इस प्रकार यह रूहानी कार्यक्रम न केवल इबादत का जरिया बना, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और विश्व शांति का संदेश देने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर भी साबित हुआ।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सुनील कुमार गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चकमहान सीहापुर गांव में बीती रात एक नवविवाहिता की फांसी लगने से मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, 23 वर्षीय सेजल यादव पत्नी सचिन यादव ने अपने कमरे में पंखे के सहारे दुपट्टे से फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि उसकी शादी करीब 8 महीने पहले हुई थी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। वहीं, मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप

मायके पक्ष ने लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

लगाया है। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही सास और ननद द्वारा आए दिन झगड़ा और मारपीट की जाती थी। साथ ही दहेज की मांग को लेकर मृतका को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था।

मृतका का मायका बक्सा थाना क्षेत्र के कोहड़े सुल्तानपुर गांव में है। परिजनों के अनुसार, सेजल की तबीयत भी कुछ समय से ठीक नहीं थी और उसका पति एक महीने पहले मुंबई चला गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही है। घटना के बाद गांव में शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है।

दिनदहाड़े युवक पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

शुभम यादव

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के दुधौरा चौराहे के पास गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब पुरानी रंजिश में एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमलावर ने पहले फायरिंग की, लेकिन गोली निशाने से चूक गई। इसके बाद उसने तमंचे की

मुठिया से युवक के सिर पर कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल की पहचान समोधीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मीशंकर यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला लापता, परिजनों ने दी तहरीर

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम इकरामगंज निवासी रमेश माली की 80 वर्षीय माता केवला देवी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई हैं। स्वजनों ने उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं सुराग न मिलने पर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। रमेश माली ने बताया कि उनकी माता 17 मार्च 2026 की भोर में घर से बाहर निकली थीं, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। स्वजनों ने गांव और आसपास के इलाकों में उन्हें काफी तलाश किया, लेकिन उनका कहीं पता नहीं

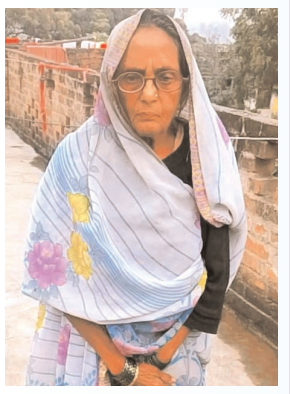

चल सका। लापता महिला का रंग गोरा और कद लगभग 5 फीट है। परिजनों के अनुसार, वृद्धा के पैर में चोट होने के कारण वह थोड़ा झुक कर चलती हैं और घर से निकलते समय उन्होंने कंबल ओढ़ा हुआ था। स्वजनो ने पुलिस से वृद्धा की जल्द तलाश करने की गुहार लगाई है।

शाहगंज में रोजा इफ्तार का आयोजन, भाईचारे और सौहार्द का संदेश

डॉ.इम्तियाज अहमद

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फरीद-उल-हक मेमोरियल डिग्री कॉलेज, सबरहद में रोजा इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। शीराज-ए-हिंद जौनपुर से ताल्लुक रखने वाले नासिर जमाल (मुकीम हाल मुंबई) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारों, स्थानीय नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इफ्तार कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर के साथ पूर्व मंत्री शैलेन्द्र ललई यादव, विधायक तूफानी सरोज सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्र के प्रमुख लोग मौजूद रहे। इसके अलावा डॉ. सरफराज अहमद (प्रतिनिधि, नगर पंचायत जफराबाद), फिरोज अहमद (अध्यक्ष, नगर पंचायत कचगांव), डॉ. नासिर खान और मोहम्मद अशहद खान सहित अन्य गणमान्य

व्यक्तियों की भी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारत एक सेक्युलर और समावेशी देश है, जहां विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। रमजान के पवित्र माह में ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को और मजबूत करते हैं।

इफ्तार के दौरान सभी ने एक साथ रोजा खोला और देश में अमन, शांति व तरक्की के लिए दुआ की। अंत में आयोजक नासिर जमाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

रमजान के इस पाक महीने में आयोजित यह कार्यक्रम समाज में प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देने में सफल रहा।

जौनपुर में विकास को मिली रफ्तार

गोमती नदी पर सेतु निर्माण को 45.04 करोड़ की स्वीकृति

सदर विधानसभा के खुटहन ब्लॉक में गठाना-डंडवा के पास बनेगा पुल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने गोमती नदी पर सेतु निर्माण सहित विभिन्न कार्यों के लिए 4504.86 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। जिले के सदर विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड खुटहन में ग्राम गठाना एवं डंडवा के निकट गोमती नदी पर पुल निर्माण के लिए 4504.86 लाख रुपये (लगभग 45.04 करोड़ रुपये) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस परियोजना के अंतर्गत मुख्य सेतु के साथ-साथ पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्यों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय आवागमन सुगम होगा और आसपास के गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रदेश सरकार के इस निर्णय पर खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि पुल के निर्माण से खुटहन क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और स्थानीय व्यापार एवं रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और जौनपुर में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस सेतु निर्माण से जनपद के कई गांव सीधे मुख्य मार्ग से जुड़ेंगे, जिससे सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

नूरानी मस्जिद में माहे रमजान के दौरान अदा की जा रही तरावीह की नमाज में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अब्बासी मोहल्ला आदमपुर तुर्की बघैला स्थित नूरानी मस्जिद में माहे रमजान के दौरान अदा की जा रही तरावीह की नमाज में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल होने पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर देश में अमन, शांति और भाईचारे के लिए दुआएं मांगी गईं।

मस्जिद में तरावीह की नमाज हाफि ज मोहम्मद सुबहान (निवासी खेतासराय, जौनपुर) द्वारा पढ़ाई जा रही थी। उन्होंने 29 दिनों में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में रोजेदारों और नमाज़ियों ने शिरकत कर इबादत की।

कुरआन मुकम्मल होने के बाद मस्जिद कमेटी की ओर से हाफि ज मोहम्मद सुबहान की गुलपोशी कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुल्क में अमन-ओ-अमान और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं की गईं।

इस अवसर पर मास्टर जान मोहम्मद ने कहा कि दुनियावी तालीम के साथ-साथ दीनी तालीम भी बेहद जरूरी है। वहीं डॉ. अब्बासी ने पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि नवरात्रि का पहला दिन मां शैलपुत्री की उपासना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से की गई पूजा से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। धाम के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था ही हर वर्ष हजारों लोगों को यहां खींच लाती है। सहायक पुजारी पं. शैलेश गिरी ने बताया कि नवरात्रि के दौरान यहां नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार बना रोजा, नमाज के साथ जकात और फि तरा अदा कर गरीबों व जरूरतमंदों की मदद करने पर जोर दिया। हाफि ज अकरम ने कहा कि रोजा केवल खाने-पीने से परहेज का नाम नहीं है, बल्कि इंसान को अपने पूरे जिस्म और किरदार को भी पाक रखना चाहिए, तभी रोजा मुकम्मल और मकबूल होता है।

इस मौके पर शौकत अली, आश मोहम्मद, मोहम्मद आजाद, अजीमुद्दीन, मोहम्मद कैश, मोहम्मद सब्बीर, मोहम्मद मोबीन, अबू लैस, अब्दुल सईद, अबू तालिब, मोहम्मद अल्तमश, असलम, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद गुफरान, मोहम्मद अनस, मोहम्मद सकलैन, नूर मोहम्मद, ऐनुद्दीन समेत बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें विद्यार्थी: डॉ.विनोद सिंह

एनएसएस शिविर के दूसरे दिन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विविध

कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

मुख्य अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ.विनोद कुमार सिंह ने कहा कि ह्वराष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे कार्यों में भागीदारी से छात्र समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। स्वच्छता अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे सार्थक कार्यों में सक्रिय भागीदारी से छात्र न केवल अपने आसपास का पर्यावरण स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की लहर पैदा करते हैं। डॉ.सिंह ने छात्रों से अपील की कि वे एनएसएस के माध्यम से स्वयंसेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं, ताकि एक स्वच्छ, समृद्ध और जिम्मेदार भारत का निर्माण हो सके। यह पहल युवा पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान करने और सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम बनाएगी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान न मानकर जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। जब तक हम अपशिष्ट के सही प्रबंधन को नहीं अपनाएंगे, तब तक स्वच्छ समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

इस अवसर पर शिविरार्थियों ने मुक्तांगन परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया और स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता फैलायी। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. विशाल यादव, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. अनुराग मिश्र, उद्देश्य सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा शिविर के उद्देश्यों को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

शिविर में स्वयंसेवक दिव्यांशु सिंह, पृथ्वी राज सिंह, प्रियांशी मौर्य, प्रिया मोर्य, मनीष यादव, मोनू कुमार, मनीष जायसवाल, अर्पिता यादव, आलोक मिश्रा, शंभू चौरसिया, रजनीश कन्हैया यादव सौरभ सिंह सिद्धार्थ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

बदलापुर मार्ग पर डिवाइडर निर्माण कार्य में तेजी, यातायात व्यवस्था सुधारने की पहल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से बदलापुर मार्ग पर डिवाइडर निर्माण कार्य तेजी से

कराया जा रहा है। यह कार्य महाराणा प्रताप पार्क के निकट चल रहा है, जहां इन दिनों मजदूरों और मशीनों की लगातार गतिविधि देखी जा रही है। निर्माण के तहत सड़क के बीचों-बीच लोहे के ढांचे स्थापित किए जा रहे हैं तथा कंक्रीट के सांचों (फार्मों) को सेट करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। कार्यस्थल पर सुरक्षा के दृष्टिगत बैरिकेडिंग की गई है ताकि राहगीरों और वाहनों की आवाजाही सुरक्षित बनी रहे। साथ ही लोगों को सावधान करने के लिए 'सावधान, कार्य प्रगति पर है–कृपया धीरे चलें' जैसे चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि डिवाइडर बनने से न केवल यातायात अधिक व्यवस्थित होगा, बल्कि सड़क हादसों में भी कमी आएगी और क्षेत्र की समग्र यातायात व्यवस्था में सुधार देखने को मिलेगा।

ग्राम पंचायत गोपालपुर में 250 मीटर लंबी नई सीसी रोड का निर्माण पूरा

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील के बरसठी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालपुर में विकास कार्यों की कड़ी में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। ग्राम प्रधान मुकेश यादव के प्रयासों से हटिया गांव में 250 मीटर लंबी नई सीसी रोड का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह सड़क जगदीश यादव के घर से भल्लु धीवर के घर के पास स्थित पुल तक बनाई गई है,

जिससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। ग्राम पंचायत में लगातार हो रहे विकास कार्यों के चलते गोपालपुर अब जिले में अग्रणी स्थान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पंचायत स्तर पर सड़क, नाली, खड़ंजा और पंचायत भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। प्रधान का लक्ष्य है कि ग्राम पंचायत गोपालपुर को जनपद में प्रथम स्थान दिलाया जाए। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इन विकास कार्यों पर संतोष जताते हुए प्रधान के प्रयासों की सराहना की है। उनका कहना है कि गांव में बुनियादी सुविधाओं के विकास से जीवन स्तर में सुधार आया है और अब उन्हें अपने गांव पर गर्व महसूस होता है।

आस्था का केंद्र बना देवीधाम बसौली: पं.रमेश तिवारी

चैत्र नवरात्रि पर 3000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, पूरे दिन गूंजते रहे जयकारे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही सुईथाकला क्षेत्र का प्रसिद्ध देवीधाम बसौली आस्था का केंद्र बन गया है। पहले ही दिन यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां 3000 से अधिक भक्तों ने मां के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, जो दिनभर जारी रहीं। दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां शैलपुत्री के चरणों में मत्था टेककर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था, जिससे धार्मिक वातावरण और भी आकर्षक बन गया।

नवरात्रि के पहले दिन महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे दिन भजन-कीर्तन और जयकारों से

क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

देवीधाम बसौली के मुख्य पुजारी

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अब्दुल अजीज अंसारी पीजी कॉलेज, मजडीहा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ गुरुवार को डोमनपुर प्राथमिक विद्यालय में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान चन्द्रावती ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एनपी उपाध्याय और कार्यक्रम अधिकारी इन्दुलता मौजूद रहीं। प्राचार्य ने बताया कि शिविर 18 मार्च से 24 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर के प्रथम दिन स्वयंसेविकाओं ने गांव में साफ-सफाई अभियान चलाया और विभिन्न स्थानों पर फलदार पौधों का रोपण किया। इसके साथ ही छात्राओं ने घर-घर जाकर अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया और ड्राप आउट छात्रों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया। कार्यक्रम में पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सलीम खान, आमिर सिद्दीकी, प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ.प्रीति समेत अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बदलापुर में कांग्रेसियों ने रसोई गैस के बढ़े दाम को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लाक कांग्रेस कमेटी बदलापुर के अध्यक्ष

महात्मा प्रसाद शुक्ला के नेतृत्व में आज घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के बढ़े हुए दाम वापस लैने के सम्बन्ध में ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर भारत सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की गई तथा महामहिम राष्ट्रपति महोदया को सम्बोधित एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को दिया गया। धरने को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विनोद त्रिपाठी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की विदेशी नीति एवं कूटनीति पूरी तरह से धवस्त हो गई है। परिणामस्वरूप गृहिणियों को रसोई गैस की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को गैस एजेन्सियों पर लम्बी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। धरने को ब्लॉक अध्यक्ष महात्मा प्रसाद शुक्ला, वरिष्ठ नेता कमला प्रसाद तिवारी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुन्सी रजा, गामा निषाद, मंगल खरवार समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षक हितों के लिए समर्पित रहा श्रीकांत सिंह का जीवन : डॉ उमेश चंद्र तिवारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक संसाधन केंद्र सुईथाकला में गुरुवार को प्राथमिक शिक्षक संघ सुईथाकला इकाई के पूर्व अध्यक्ष एवं समोधपुर निवासी श्रीकांत सिंह के निधन पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें शिक्षक राजनीति का पुरोधा बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद्र तिवारी ने कहा कि स्व. श्रीकांत सिंह शिक्षक समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत थे। उन्होंने शिक्षक राजनीति में उच्च आदर्श स्थापित किए और जीवनभर शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण भाव को सदैव याद किया जाएगा। उनका पूरा जीवन शिक्षक हितों के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह ने कहा कि श्रीकांत सिंह शिक्षक समाज के मजबूत स्तंभ थे। उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। शिक्षक समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभा के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की। मौके पर जिलामंत्री दुष्यंत मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ रणंजय सिंह व सुधाकर सिंह, पारसनाथ यादव, संजय सिंह, ब्लॉक मंत्री उमेश चंद्र यादव, डॉ. निशाकांत आदि लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

काशी से नवरात्रि दर्शन नवरात्र प्रथम दर्शन म माँ शैलपुत्री

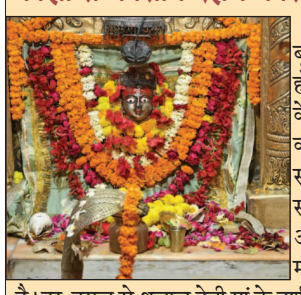

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में बृहस्पतिवार से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो गया है। नवरात्र के पहले दिन देवी मां के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्रों में देशभर के मंदिर सजाए जाते हैं, जहां पूरे नौ दिन मां के सभी रूपों की पूजा की जाती है। काशी के अलइपुरा इलाके स्थित देवी शैलपुत्री मंदिर में भक्तों की काफी भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज से श्रद्धालु देवी मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भक्त मां शैलपुरी से अपने परिवार की सुख-शांति की मन्नतें मांग रहे हैं। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा मंदिरों में सुरक्षा कर्मी तैनात किए हैं, ताकि किसी प्रकार की कोई अनहोनी घटना न हो पाए। बता दें कि, भगवती दुर्गा का पहला स्वरूप शैलपुत्री का है। हिमालय के यहां जन्म लेने से उन्हें शैलपुत्री कहा गया। इनका वाहन वृषभ है। उनके दाएं हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल है। इन्हे पार्वती का स्वरूप भी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि देवी के इस रूप ने ही शिव की कठोर तपस्या की थी। इनके दर्शन मात्र से सभी वैवाहिक कष्ट दूर हो जाते हैं ।

संदिग्ध हालात में मड़हे में लगी आग, युवक की झुलसकर मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के सखापुर गांव में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में मड़हे में आग लगने से एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सखापुर गांव निवासी शिवम गौड़ (20) पुत्र रामजी गौड़ बीती रात करीब 12:30 बजे मड़हे में सो रहा था। इसी दौरान अचानक आग लग गई, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। आनन-फानन में परिजनों ने 108 एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल जौनपुर पहुंचाया, जहां गुरुवार सुबह करीब 7 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि बीती रात तीन संदिग्ध व्यक्तियों ने मड़हे में आग लगाई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। आग की चपेट में आकर पास के तीन अन्य मड़हे भी आंशिक रूप से जल गए। सूचना पर पहुंची सुजानगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरसों बीनने गई महिला से मारपीट, कार्रवाई की मांग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के डेहरी गांव में सरसों बीनने गई एक अनुसूचित जाति की महिला के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डेहरी गांव निवासी जलसा पत्नी प्रकाश गांव के एक खेत में सरसों बीन रही थीं। इसी दौरान गांव का ही एक युवक वहां पहुंच गया और कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए महिला के साथ मारपीट करने लगा। आरोप है कि उसने महिला को पकड़कर खड़ंजे पर पटक दिया और लात-घूंसों से जमकर पीटा। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। महिला के शोर मचाने पर आसपास की अन्य महिलाएं मौके पर पहुंचीं और बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपित ने उन्हें भी वहां से भगा दिया। पीड़िता का कहना है कि घटना की सूचना उसी दिन पुलिस चौकी पर दे दी गई थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूरे: कलेक्ट्रेट में भव्य प्रदर्शनी व गोष्ठी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में भव्य प्रदर्शनी एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति एवं जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाए, साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। इस दौरान प्रदेश सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में हर क्षेत्र में व्यापक विकास हुआ है। युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। साथ ही प्लास्टिक और थर्माकोल के उपयोग से बचने की अपील की। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि सरकार के प्रयासों से चिकित्सा, कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए कई प्रभावी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी, बीज, उर्वरक एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, साथ ही अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र भी दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर पलायन रोकने का प्रयास किया जा रहा है और जनपद इस योजना में प्रदेश में अग्रणी बना हुआ है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में परियोजना निदेशक के.के. पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि संचालन सलमान शेख ने किया। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी सुनील भारती, डीसी एनआरएलएम, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जौनपुर की बड़ी उपलब्धि: पंचायत चुनाव नामावली पुनरीक्षण में प्रदेश में दूसरा स्थान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 की तैयारियों के बीच जनपद जौनपुर ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जौनपुर को पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। खास बात यह रही कि ई-बीएलओ एप के माध्यम से सर्वाधिक मतदाता एंट्री करने वाले जिलों में भी जौनपुर ने दूसरा स्थान हासिल कर अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार जुलाई 2025 से अप्रैल 2026 के बीच चल रहे इस विशेष पुनरीक्षण अभियान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने में जिला प्रशासन ने सराहनीय भूमिका निभाई। जिला पंचायत एवं नगरीय निकाय से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र के नेतृत्व में टीम ने ई-बीएलओ एप के अधिकतम उपयोग पर विशेष जोर दिया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। आयोग द्वारा ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने वाले शीर्ष तीन जिलों के डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें जौनपुर को दूसरा स्थान मिला।

इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र ने कहा कि यह सफलता निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास और समन्वय का परिणाम है। उन्होंने सभी कार्मिकों का आभार जताते हुए उनके उत्साहवर्धन की सराहना की। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी उत्कृष्ट कार्य करने वाले आठ बीएलओ रविश मौर्य, विजय कुमार, बिमलेश कुमार विश्वकर्मा, शैलेन्द्र कुमार भास्कर, रामबहादुर यादव, सत्यव्रत सिंह, गौरव कुमार और रामबचन यादव को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जा चुका है। जिलाधिकारी द्वारा लगातार समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण के माध्यम से कार्मिकों का मनोबल बढ़ाया गया, जिसका परिणाम आज प्रदेश स्तर पर जौनपुर की इस बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

नेफ्रोप्लस ने दरभंगा में दूसरे सेंटर का शुभारंभ कर बिहार में डायलिसिस केयर तक पहुंच मजबूत की

दरभंगा (उत्तरशक्ति)। नेफ्रोप्लस ने बिहार में डायलिसिस सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए दरभंगा में अपना दूसरा डायलिसिस सेंटर शुरू किया है। अद्वैत मेडिकल सेंटर स्थित यह नई सुविधा मरीजों को सुलभ, उन्नत और सुरक्षित डायलिसिस सेवाएं प्रदान करेगी। इस सेंटर में 6 हाई-डेफिनिशन डायलिसिस मशीनें और 11 बेड की व्यवस्था है, जहां प्रतिदिन 18 मरीजों का इलाज किया जा सकता है। यह सेंटर क्षेत्र में भरोसेमंद 'रीनल केयर' की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है। मरीजों को हाई-फ्लक्स हीमोडायलिसिस, सस्टेन्ड लो-एफिशिएंसी डायलिसिस और आईसीयू डायलिसिस की सुविधा मिलेगी, जो नेफ्रोलॉजी के प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. आत्मा प्रकाश नायक के क्लिनिकल मार्गदर्शन में प्रदान की जाएगी। मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेंटर में सख्त संक्रमण नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया जाएगा। साथ ही, नेफ्रोलॉजी कंसल्टेशन, पोषण परामर्श और मरीज जागरूकता कार्यक्रम जैसी समग्र सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। नेफ्रोप्लस के ग्रुप सीईओ, रोहित सिंह ने कहा, ृनेफ्रोप्लस में हमारा मानना है कि उच्च गुणवत्ता वाली डायलिसिस देखभाल तक पहुंच भूगोल (इलाके) की सीमाओं से सीमित नहीं होनी चाहिए। दरभंगा में हमारे दूसरे सेंटर का शुभारंभ इस क्षेत्र में किडनी रोग के बढ़ते बोझ को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्नत तकनीक, सख्त सुरक्षा मानकों और एक संवेदनशील व 'मरीज-प्रथम' दृष्टिकोण को मिलाकर, हमारा लक्ष्य निरंतर और भरोसेमंद देखभाल प्रदान करना है।

तालाब में नहाने गए दो किशोर की डूबकर मौत

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर के मलिकपुर नोनरा निवासी रत्नेश (15), कुंदन (16) व अमन (13) बृहस्पतिवार दोपहर गांव स्थित तालाब में नहाते समय डूब गए। ग्रामीणों की मदद से तीनों को तालाब से बाहर निकाला गया। बेहोशी हालत में उन्हें कादीपुर सीएचसी पहुंचाया गया। वहां पर चिकित्सक ने रत्नेश व कुंदन को मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों के परिवार में चीख-पुकार मची है। ग्रामीणों के अनुसार जियाराम के पुत्र रत्नेश, रविंद्र के पुत्र कुंदन व प्रमोद के पुत्र अमन बृहस्पतिवार दोपहर करीब दो बजे बजे घर से भैंस चराने के लिए एक साथ निकले थे। तीनों गांव के आरोग्य मंदिर के पीछे स्थित तालाब के पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी बीच तीनों तालाब में नहाने के लिए घुस गए। गहराई में जाने से तीनों डूबने लगे। वहां मौजूद ग्रामीण आदिशक्ति दुबे व अच्छेलाल बच्चों को बचाने के लिए तालाब में घुस गए। बच्चों को बचाने के लिए अन्य ग्रामीण भी जाल लेकर तालाब में घुस गए। काफी मशक्कत के बाद तीनों को तालाब से किसी तरह से बाहर निकाला गया। तीनों बच्चों को कादीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया गया। वहां पर चिकित्सक ने रत्नेश व कुंदन को मृत घोषित कर दिया। अमन की हालत गंभीर बताई जा रही है। कादीपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

काशी में गणगौर की रौनक, राजस्थानी लोक संस्कृति और भक्ति का अद्भुत संगम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी की सांस्कृतिक धरती पर राजस्थान की परंपराओं का मनमोहक संगम देखने को मिला, जब महमूरगंज स्थित शुभम् लॉन में श्री गवरजा माता उत्सव समिति द्वारा आयोजित सिंधारा कार्यक्रम में गणगौर की अनुपम छटा बिखरी। करीब 200 महिलाओं और बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को लोक-संस्कृति, भक्ति और परंपरा के रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया एवं विशिष्ट अतिथि स्वाति मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप की ज्योति के साथ ही पूरे आयोजन में आस्था और उत्साह का वातावरण छा गया। समिति के अध्यक्ष कमल अग्रवाल और मंत्री राम बूबना ने अपने संबोधन में कहा कि गणगौर केवल एक पर्व नहीं, बल्कि नारी श्रद्धा, प्रेम और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जो पीढ़ियों से हमारी संस्कृति में जीवित है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मोरया रे गणपति बप्पा मोरया, ओम नमः शिवाय, गोविंद बोलो हरे गोपाल बोलो और नारी हूं मैं जैसे गीतों पर प्रस्तुतियों ने भक्ति और नारी शक्ति का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया। वहीं बुम्बरों बुम्बरो, ईसर जी की बारात और गणगौर तब से अब तक जैसे कार्यक्रमों ने राजस्थानी लोकजीवन की झलक को जीवंत कर दिया। रंग-बिरंगे घाघरा-चुन्नी और पारंपरिक वेशभूषा ने मानो काशी को कुछ समय के लिए राजस्थान में बदल दिया। समिति के प्रचार मंत्री गौरव राठी ने जानकारी दी कि 21 मार्च को काशी गौशाला, गोलघर से लक्ष्मीकुंड स्थित श्री श्याम मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने का आह्वान किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु किसी आवश्यक कार्यवश उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उनका संदेश समारोह का भावनात्मक केंद्र बना रहा। अपने संदेश में उन्होंने इस आयोजन को भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का संचालन दीपक माहेश्वरी, पवन कुमार अग्रवाल, प्रीति बाजोरिया, ऋतु धूत, शानू जाजोदिया, पूजा चांडक और प्रीति मंत्री ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अजय खेमका ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत लाला चांडक ने किया। इस अवसर पर कमल अग्रवाल, राम बूबना, आर. के. चौधरी, लोकेन्द्र करवा, उमाशंकर अग्रवाल, नवरतन राठी, पवन मोदी, दीपक बजाज, शंकरलाल सोमानी, गौरीशंकर नेवर, संजीव शाह, मांगीलाल सारडा, जेठमल चाण्डक, गौरव राठी, अनूप सर्राफ, ओमकार महेश्वरी, वेदमूर्ति शास्त्री, कौशल खण्डेलवाल, अशोक वर्मा, किशोर मुंदडा, कमलेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर गाडोदिया, योगेश भुरारिया, गिरीराज कोठारी ,अजय काबरा मदन मोहन अग्रवाल, सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

48 घंटे में डीजल चोरी गैंग का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अनपरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 48 घंटे के भीतर डीजल चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 240 लीटर चोरी का डीजल सहित उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत अनपरा थाना पुलिस को यह सफलता मिली। 19 मार्च 2026 को उपनिरीक्षक बृजेश कुमार दूबे अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति दुरासिनी दुर्गा मंदिर के पास चोरी का डीजल बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाकर रखे गए छह प्लास्टिक जरीकेनों में कुल 240 लीटर डीजल, एक लोहे की सरिया और करीब दो मीटर प्लास्टिक पाइप बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 16/17 मार्च की रात बिछड़ी धर्मकांटा के पास खड़ी हाईवा गाड़ियों की टंकियों से डीजल चोरी किया था। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गोपाल बैगा और विजय कोल के रूप में हुई है। कार्रवाई में थाना अनपरा पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

बदलापुर में KDR फाउंडेशन द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

KDR FOUNDATION
INSPIRING CHANGE, EMPOWERING LIVES
केवला देवी रामबहाल फाउंडेशन

जौनपुर। सेवा सबसे बड़ा धर्म है। निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना, मानवता की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। जरूरतमंदों, माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा से न केवल आत्मा को संतोष मिलता है, बल्कि समाज में प्रेम और सद्भाव भी बढ़ता है। केवला देवी रामबहाल फाउंडेशन एक ऐसी सामाजिक संस्था है जो पिछले कई वर्षों से ग्रामीण भागों में लगातार जन सेवा का पुनीत काम कर रही है। विशेषकर जरूरतमंद एवं गरीब लोगों के निशुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद जांच तथा चयनित मरीजों के लिए निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण सुविधा की दिशा में यह संस्था अब तक हजारों मरीजों के अंधेरे जीवन को उजालों में बदल चुकी है।

आगामी 9 अप्रैल को संस्था द्वारा जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित कठार गांव के केडीआर हाउस में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष विनोद रामबहाल सिंह ने बताया कि चयनित मरीजों को वाराणसी स्थित आरजे शंकरा आंख अस्पताल ले जाने और ले आने के लिए बस सेवा भी पूरी तरह से निशुल्क होगी। मरीजों के उपचार एवं भोजन की व्यवस्था अस्पताल द्वारा निशुल्क होगी। मरीजों को इसके लिए विनय सिंह (मो. 8691 042 664), अशोक सिंह(मो. 9559 0 86636) , ठाकुर अमरधारी सिंह(मो 86910 42 665), सौरभ सिंह (मो. 9838 396010) विकास सिंह (मो. 91371 54254) से संपर्क करने की अपील की गई है।

खेतासराय में नारी शक्ति के संग आस्था की भव्य निरूपित: कलश यात्रा से गूंजा नगर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व बंधुत्व व चराचर जीव के कल्याणार्थ नगर में गुरुवार की सुबह नवरात्रि के पहले दिन व्रती महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर कस्बे में भव्य शोभा यात्रा निकाला। जो कस्बा स्थित रामलीला मन्दिर गोलाबाजार से शुरू होकर समूचा नगर भ्रमण के पश्चात यहीं आकर सम्पन्न हुआ। इस दौरान डी.जे. की धुन पर मधुर भक्ति गीत बज रहा था। जिस पर श्रद्धालु थिरक रहे थे तो वहीं शोभा यात्रा में रथ पर सवार श्री रामचन्द्र जी व लक्ष्मण जी शोभा बढ़ा रहे थे।

बतादें कि नवरात्रि के प्रथम दिन व्रती महिलाओं ने अपने घर पूजा-अर्चना के बाद संगीतमय कथा से पूर्व नगर में शोभा यात्रा निकाला। जहाँ महिलाएं, युवतियां एकत्र होकर अपने सिर पर 108 कलश पात्र में पवित्र गंगा जल, आमपत्र व कुश भरे कलश को सिर पर रखकर शोभा यात्रा के साथ भ्रमण किया। शोभायात्रा गोलाबाजार से निकलकर मुख्य मार्ग पर होते हुए चौराहा पहुँचा जहाँ से जौनपुर मार्ग व खुटहन मार्ग से होते हुए पुरानी बाजार रोड पहुँचा वहीं कन्या विद्यालय होते हुए पूजन स्थल पर सम्पन्न हो गया।

इस दौरान शोभा यात्रा में डी.जे. की मधुर ध्वनि में भक्ति गीत बज रहे थे तो वहीं श्रद्धालु गीतों पर थिरक रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो समूचा नगर भक्ति भाव में डूब गया हो। इस अवसर के साथ ही संगीतमय कथा का आगाज हो गया है। जिसमें कथावाचक श्रीप्रेम भूषण महाराज रहेंगे जो सांय से अर्ध रात्रि तक प्रवचन कहेंगे। इस दौरान मुख्य रूप से रूपेश गुप्ता, भृगुनाथ जायसवाल, मण्डल अध्यक्ष उपेन्द्र नाथ मिश्रा, फलाहारी सीताराम, विजय कश्यप, गोरखनाथ प्रजापति, राकेश गुप्ता, मोहित बिन्द, विनीता मौर्या, मंजय गुप्ता, रवि बरनवाल, हृदय गौड़, राजू विश्वकर्मा समेत आदि लोग मौजूद रहे। शोभायात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रही।

शिविर में युवाओं को मिला सफलता का मंत्र, कौशल विकास पर दिया गया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, सौदागर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर के दूसरे दिन का कार्यक्रम प्रेरक विचारों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ज्ञानवर्धक सत्रों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रो. समर बहादुर सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विजय कुमार सिंह एवं छात्र नेता उद्देश्य सिंह उपस्थित रहे। संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वक्ताओं ने युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि प्रो. समर बहादुर सिंह ने कहा कि संघर्ष, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। अध्यक्ष डॉ. अब्दुल कादिर खान ने राष्ट्रीय सेवा योजना को युवाओं में सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम बताया। प्रो. विजय कुमार सिंह ने शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों के महत्व पर बल दिया, वहीं उद्देश्य सिंह ने युवाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। द्वितीय सत्र में मनोविज्ञान एवं कौशल विकास विषय पर आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिविर का दूसरा दिन युवाओं के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक साबित हुआ।

स्नेहा दुबे पंडित ने गुड़ी पड़वा नववर्ष स्वागत में लिया भाग

वसई । वसई कोर्ट, वसई गांव, दीनदयालनगर वसई वेस्ट में गुड़ी पड़वा 2026 के शुभ अवसर पर हिंदू नववर्ष स्वागत समिति वसई द्वारा बड़े ही जोश और उत्साह के साथ भव्य जुलूस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। जुलूस के दौरान पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों की गूंज, भगवा झंडों की आकर्षक सजावट और नागरिकों की स्वैच्छिक भागीदारी ने पूरे वातावरण को भक्ति और उत्साह से भर दिया। वसई के नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लेकर नववर्ष का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। इस मौके पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, महिला मोर्चा जिला सचिव श्रीमती सुचिता शेट्टी, वसई नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला सहित संतोष काकड़, राजेश राठौड़, जितेंद्र पांडे, योगेशन ठाकुर, किरण पाटिल, प्रतीक चौधरी, पुंडलिक राठौड़, मयंक शेठ, निपुण दोशी, मिक्की आनंद, अमित पवार, पारस सोनवणे, अशोक मिश्रा, एडवोकेट कुणाल कोंडे, गिरीश राउत, संकल्प राउत, श्रीमती प्रीतम राउत, श्रीमती शिल्पा पाटिल, श्रीमती आदित्य वगल सहित बड़ी संख्या में नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह जुलूस वसई की एकता, संस्कृति और परंपरा के सुंदर संगम का प्रतीक बना। इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

ललिता घाट पर सजी आस्था की नई ज्योति : काशी विश्वनाथ धाम से गूंजा जय माँ गंगा का स्वर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। चैत्र नवरात्रि के पावन प्रथम दिवस, विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ के साथ काशी ने एक और ऐतिहासिक अध्याय रच दिया। विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संचालित गंगा आरती का भव्य शुभारंभ गुरुवार की संध्या ललिता घाट पर हुआ। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और नवाचार का ऐसा संगम बना, जिसने हर उपस्थित श्रद्धालु के मन को आध्यात्मिक आलोक से भर दिया।

गंगा तट पर दीपों की लहराती ज्योति, शंखनाद की गूंज और भक्तों की भावविभोर आंखें, इन सबने मिलकर काशी को उस दिव्यता का पुनः जीवंत कर दिया, जिसके लिए यह नगरी विश्वविख्यात है। नवरात्रि के इस शुभारंभ के साथ ही काशी ने यह संदेश भी दे दिया कि उसकी आध्यात्मिक धारा आज भी उतनी ही प्रखर और अविरल है, जितनी सदियों पहले थी।

संध्या के ठीक छह बजते ही गंगा तट पर दीपों की रेखाएं झिलमिलाने लगीं और सात अर्चकों के मंत्रोच्चार के बीच आरती का शुभारंभ हुआ। लगभग 45 मिनट तक चली इस दिव्य आरती में गूंजते हुहर-हर महादेवह्न और ह्लजय माँ गंगेह्न के उद्घोष ने वातावरण को अलौकिक बना दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं माँ गंगा अपने भक्तों की आराधना स्वीकार कर रही हों। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए हजारों श्रद्धालु घाट पर उमड़ पड़े। अनुमानतः 10 से 15 हजार लोगों ने प्रथम दिवस पर ही आरती का दर्शन किया। बाबा विश्वनाथ के दर्शनार्थियों के साथ-साथ गंगा की सैर पर आए पर्यटक, नावों पर बैठे श्रद्धालु और घाट की सीढ़ियों पर विराजमान स्थानीय जनकुंभसभी इस अद्भुत दृश्य में डूबे नजर आए। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल, विधायक नीलकंठ तिवारी, एमएलसी धर्मेंद्र राय, हंसराज विश्वकर्मा, अवधेश सिंह के अलावा मंडलायुक्त एस राजलिंगम तथा जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने इस पहल को काशी की सांस्कृतिक विरासत को नए आयाम देने वाला कदम बताया।

विशेष बात यह रही कि यह आरती उन श्रद्धालुओं के लिए एक नया विकल्प बनकर सामने आई है, जो भीड़ के कारण दशाश्वमेध घाट तक नहीं पहुंच पाते। अब ललिता घाट पर भी उसी भव्यता और श्रद्धा के साथ गंगा आरती का अनुभव संभव हो सकेगा। मंदिर प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जिस द्वार से प्रवेश करेंगे, वे आरती देखने के बाद उसी मार्ग से सुरक्षित बाहर निकल सकें। पूरे घाट क्षेत्र को आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और सजावट से सुसज्जित किया गया है। गंगा किनारे मजबूत रेलिंग और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से आरती देखने में सुविधा मिले। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम भी प्रशासन द्वारा किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था में किसी प्रकार की बाधा न आए। यह आयोजन केवल एक धार्मिक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के संरक्षण और उसके आधुनिक स्वरूप में पुनर्स्थापन का प्रयास भी है।

वसई में गुड़ी पड़वा शोभा यात्रा का भव्य आयोजन

वसई। वसई पश्चिम के पंचवटी नाका-मानिकपुर क्षेत्र में हिंदू नववर्ष के अवसर पर वसई की गुड़ी पड़वा के तहत आयोजित गुड़ी पड़वा शोभा यात्रा 2026 बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ संपन्न हुई। इस भव्य आयोजन में वसई विरार महानगरपालिका की नगरसेविका श्रीमती अर्पणा पाटिल विशेष रूप से शामिल हुई। पूरे क्षेत्र में इस अवसर पर श्रद्धा, ऊर्जा और उल्लास का अद्भुत माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर परंपरा और संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा नागरिकों के लिए पीने के पानी की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जो समाज सेवा का एक सराहनीय उदाहरण रहा। इस अवसर पर नगरसेविका अर्पणा पाटिल के साथ कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिनमें हरीश बेदी (प्रेसिडेंट, कामगार अघाड़ी, वसई रोड मंडल), विली चड्ढा (सेक्रेटरी, गुरुद्वारा), पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, जसप्रीत सिंह चड्ढा, मनिंदरपाल सिंह कोहली, गुरमीत सिंह, गुरमुख सिंह, गुरजिंदर सिंह चावला और सोनू चावला शामिल थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई दी गई। इस मौके पर सभी के लिए सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना भी व्यक्त की गई।

भाजपा उभामों प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी ने हिंदू नववर्ष पर दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र के जनप्रिय प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी 'डाक्टर' ने 'हिंदू नववर्ष' विक्रम संवत 2083 चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा पर समस्त परिवार के सदस्यगण, मित्रगण के साथ ही सभी प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाओं का शुभेच्छा संदेश दिया है, साथ ही कहा कि 'नववर्ष' विक्रम संवत २०८३ आप सभी के जीवन में खुशियां, उपलब्धि, मां शक्ति जगदंबा का आशीर्वाद के साथ ही आर्थिक ऊर्जा का संचार बढ़ाए यही मंगल शुभकामनाएं हैं, अमित त्रिपाठी डॉक्टर एक सामाजिक व्यक्ति के साथ साथ समाज और उत्तर भारतीयों में एक विशिष्ट स्थान रखने वाले व्यक्ति हैं। सरल स्वभाव मृदु भाषी सभी के दुःख सुख में साथ देने वाले लोकप्रिय व्यक्ति हैं। अमित त्रिपाठी ने नववर्ष की देशवासियों हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

गंभीर हृदय वाल्व लीकेज वाले मरीजों के लिए मिनिमिली इनवेसिव वाल्व रिपेयर से नई उम्मीद

मुंबई। ट्रांसकैथेटर एज-टू-एज रिपेयर नामक एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया अब गंभीर मिट्रल वाल्व लीकेज से पीड़ित मरीजों के लिए एक नया उपचार विकल्प बनकर सामने आ रही है, खासकर उन मरीजों के लिए जिनके लिए पारंपरिक सर्जरी ज्यादा जोखिम भरी होती है। HVS Symbiosis Hospital के डॉक्टरों ने हाल ही में 74 वर्षीय एक मरीज पर यह कैथेटर आधारित प्रक्रिया की, जिसे बिगड़ते हार्ट फेल्योर के कारण बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा था। मिट्रल रिगर्जिटेशन तब होता है जब हृदय का मिट्रल वाल्व सही तरह से बंद नहीं होता और खून हृदय के अंदर पीछे की ओर बहने लगता है। समय के साथ यह स्थिति सांस फूलना, लगातार थकान, पैरों में सूजन और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता में धीरे-धीरे कमी का कारण बन सकती है। हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार, यह समस्या अक्सर हार्ट फेल्योर का एक कम पहचाना जाने वाला कारण होती है, खासकर बुजुर्गों में, जो इन लक्षणों को उम्र बढ़ने से जोड़कर इलाज में देर कर देते हैं। यदि इसका इलाज न किया जाए, तो गंभीर मिट्रल वाल्व लीकेज हृदय पर लगातार दबाव डालता रहता है, जिससे बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है और दिल की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है।

TEER उन मरीजों के लिए एक विकल्प प्रदान करता है जो ओपन-हार्ट सर्जरी के लिए उपयुक्त नहीं होते। इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर पैर की नस के जरिए एक पतली कैथेटर को हृदय तक पहुंचाते हैं। लगातार इमेजिंग की मदद से एक छोटा उपकरण मिट्रल वाल्व पर लगाया जाता है, जो वाल्व की पत्तियों को बेहतर तरीके से मिलाने में मदद करता है और खून के पीछे की ओर बहाव को कम करता है। जिस मरीज पर यह प्रक्रिया की गई, वह लंबे समय से गंभीर मिट्रल वाल्व लीकेज से जूझ रहा था और सांस फूलने तथा शरीर में तरल जमा होने के कारण कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुका था। मरीज की उम्र और अन्य स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए पारंपरिक सर्जरी को अधिक जोखिम भरा माना गया। विस्तृत हृदय जांच और विशेषज्ञों की टीम द्वारा मूल्यांकन के बाद TEER को उपयुक्त उपचार विकल्प के रूप में चुना गया। प्रक्रिया के बाद डॉक्टरों ने मरीज के लक्षणों में सुधार देखा, जिसमें सांस फूलने में कमी, शरीर में तरल जमा होने की समस्या कम होना और रोजमर्रा के काम बेहतर तरीके से कर पाना शामिल है। अस्पताल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अंकुर फातरपेकर ने कहा, कई बार हम ऐसे मरीज देखते हैं जिन्हें सांस फूलने की वजह से बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है, क्योंकि लीकेज वाला वाल्व दिल पर अतिरिक्त दबाव डालता रहता है। बुजुर्ग मरीजों या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों के लिए, जिनमें सर्जरी का जोखिम अधिक होता है, TEER एक कम इनवेसिव विकल्प देता है। इस प्रक्रिया में बिना छाती खोले कैथेटर के जरिए वाल्व की मरम्मत की जाती है, और कई मरीजों को लक्षणों में स्पष्ट राहत मिलती है और अक्सर तो अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत कम पड़ती है। जब दिल पर दबाव कम होता है, तो मरीजों के लिए सांस लेना, चलना-फिरना और रोजमर्रा की जिंदगी अधिक आराम और स्वतंत्रता के साथ जीना आसान हो जाता है। कार्डियोलॉजिस्ट बताते हैं कि वाल्व से जुड़ी बीमारियों की समय पर पहचान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि सही समय पर इलाज से हार्ट फेल्योर को बढ़ने से रोका जा सकता है। TEER जैसी कैथेटर आधारित आधुनिक प्रक्रियाओं के साथ, मिनिमली इनवेसिव तकनीकें अब लक्षणों को नियंत्रित करने, अस्पताल में भर्ती होने की घटनाओं को कम करने और जटिल वाल्व रोग वाले मरीजों के लिए लंबे समय में बेहतर स्वास्थ्य परिणाम देने में मदद कर रही हैं।

डॉ. हेमंत सावरा ने हिंदू नववर्ष के अवसर पर आयोजित गुड़ी पड़वा उत्सव में लिया भाग

पालघर। पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सावरा ने हिंदू नववर्ष के अवसर पर आयोजित गुड़ी पड़वा उत्सव में भाग लेकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। सफाले क्षेत्र में गुड़ी पड़वा फेस्टिवल कमिटी द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा में उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ा दिया। लक्ष्मी नगर से जेड पी स्कूल नरोदा तक निकली इस शोभायात्रा में पारंपरिक ढोल-झांझ की गूंज, लेज़िम की लय और मराठी संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस दौरान डॉ. सावरा ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखते हैं और समाज में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि गुड़ी पड़वा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि नई उम्मीदों और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह हमें अपनी परंपराओं पर गर्व करने और उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। डॉ. सावरा ने सभी हिंदू संगठनों और नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए इसे उत्साह और सामाजिक समरसता के साथ मनाने का आह्वान किया।

वनवासी बालहंसों को गोल्डन शिक्षा हेतु निः शुल्क कोचिंग शुरू

जौनपुर। सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना ने अशिक्षित वनवासी बाल हंसों को शत प्रतिशत शिक्षित करने के लिए एक अनूठी योजना तैयार किया है। जज सिंह अन्ना दिन-दुखिया सेवार्थ ट्रस्ट के द्वारा बनवासी बच्चों को निःशुल्क कोचिंग सुविधा में कॉपी, किताब, कलम,स्लेट, इरेटबोर्ड, लाउडस्पीकर अंग वस्त्र बैट-गेंद, फुटबाल, मिनी बाल देने की योजना बनाकर दो कोचिंग क्लासेस शुरू किया है। शिक्षक का वेतन भी अन्ना अपने ट्रस्ट से देंगे। शिक्षा सुबह 8:00 बजे से 10:30 बजे तक होगी। प्रथम कोचिंग थाना बरसठी के सरायबैद्य गोपालपुर विनोद सिंह के भट्टे के पास शुरू किया गया है. दूसरी कोचिंग थाना मीरगंज के पास मेदपुर में फ्री कोचिंग सुविधा चलाई जा रही है . अन्ना ने बालहंसों को एकत्रित करने का अनूठा तरीका अपनाया और बैट-गेंद,फुटबॉल, मिनी बाल, देकर वनवासी बालहंसों को खूब हंसाते हुए कई खेल खेलाया। अन्ना ने कहा कि इस तरह मैं ब्लॉक स्तर पर हर गांव में फ्री कोचिंग सुविधा चलाने की तैयारी कर रहा हूं। संवाददाता आदेश मिश्र से वार्ता करने पर समस्त खर्च सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना के द्वारा वहन किया जायेगा।

मुलुंड में भव्य सत्कार समारोह, चातुर्मास आयोजन की तैयारी शुरू

मुंबई। श्री चातुर्मास महाकाल सर्व समाज सेवा समिति, मुंबई के तत्वावधान में एक भव्य सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्य श्री श्री 1008 दिगंबर खुशाल भारतीजी महाराज (संस्थापक झ राष्ट्रीय महाकाल सेना) का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नीलकंठ प्रतिष्ठान एवं जय अंबे चैरिटेबल ट्रस्ट, मुलुंड द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में मुलुंड क्षेत्र के हिन्दू समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस आयोजन में सनातन सेवा फाउंडेशन, मुंबई तथा कच्छी लोहाना माहाजन वाड़ी मुलुंड एवं कच्छी लोहाना माहाजन वाड़ी माटुंगा के सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्ति, उत्साह और उल्लास से भरा रहा तथा समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। आयोजकों ने जानकारी दी कि पहली बार मुलुंड में चातुर्मास का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक धार्मिक अवसर पर सभी भक्तों को सादर आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त कर आयोजन की सराहना की।

भाजपा द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

मुंबई। मुंबई के वरली क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वरली विधानसभा के तत्वाधान में जांबोरी मैदान स्थित अंबाजी मंदिर हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा मुंबई के नव नियुक्त उपाध्यक्ष किरण शेलार का सम्मान किया गया।इस अवसर पर किरण शेलार को शॉल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरली मंडल के उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी, मंडल कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव, मंडल संयोजक दीपक सावंत, वार्ड 193 के अध्यक्ष राजेश हलदणकर, शैलेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने किरण शेलार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

इकोफाई ने ग्रोथ इक्विटी में 380 करोड़ रुपए जुटाए

मुंबई। एवरसोर्स कैपिटल के समर्थन वाली एक जानी-मानी ग्रीन एनबीएफसी, इकोफाई ने आज 380.5 करोड़ रुपए (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के नए इक्विटी कैपिटल के सफल क्लोजर की घोषणा की है। इस फंडिंग राउंड में दो बड़े ग्लोबल डीएफआई ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई), यूके का डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन और इम्पैक्ट इन्वेस्टर, और फिनफंड डिजिटल एक्सेस इम्पैक्ट फंड क (डीएआईएफ), जिसे फिनफंड, फिनिश डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन और इम्पैक्ट इन्वेस्टर मैनेज करता है झ ने हिस्सा लिया और नए इन्वेस्टर्स के तौर पर शामिल हुए। यह इन्वेस्टमेंट इकोफाई के अलग, रिटेल-नीत मॉडल में दुनिया भर के निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। इस दौर में मौजूदा इन्वेस्टर एवरसोर्स कैपिटल, जो एक प्रमुख सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर है, और एफएमओ, जो डच एंटरप्रेन्योरियल डेवलपमेंट बैंक है, से भी लगातार प्रतिबद्धता देखने को मिली। ग्रोथ कैपिटल, इकोफाई को रूफटॉप सोलर, इलेक्ट्रिक व्हीकल और एसएमई फाइनेंसिंग में विस्तार में मदद करेगा, जिसे एक मजबूत बैलेंस शीट, अनुभवी लीडरशिप, मजबूत गवर्नेंस फ्रेमवर्क और एक हाई-परफॉर्मेंस, मकसद से चलने वाला ऑपरेटिंग कल्चर का साथ मिलेगा। ग्रीन फाइनेंस पर फोकस के साथ शुरू हुई इकोफाई ने सिर्फ तीन साल में भारत का सबसे बड़ा रिटेल-फोकस्ड ग्रीन फाइनेंस प्लेटफॉर्म बनाया है, जो रूफटॉप सोलर, इलेक्ट्रिक व्हीकल और दूसरी सस्टेनेबल एसेट कैटेगरी में 1,20,000 से ज्यादा ग्राहकों को सेवा दे रहा है। कंपनी ने अपना एयूएम बढ़ाकर 1,400+ करोड़ रुपए कर दिया है, जिसे 100% रिटेल लोन बुक, 100+ ओईएम और 23+ बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ पार्टनरशिप, मजबूत एसेट क्वालिटी और फंडरेज के बाद लगभग 50% के कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो का सपोर्ट मिला है। इकोफाई की को-फाउंडर, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ राजश्री नांबियार ने कहा, इकोफाई इस विश्वास पर बना था कि भारत का ग्रीन ट्रांजिशन छोटे बिजनेस, व्यक्तिगत ग्राहक और घरों के रोजाना लिए गए फैसलों से चलेगा। पिछले तीन सालों में हमने एक टेक्नोलॉजी पर आधारित, रिटेल पर फोकस करने वाला ग्रीन फाइनेंस प्लेटफॉर्म बनाया है, जिसमें मजबूत यूनिट इकोनॉमिक्स, डिसिप्लिन्ड रिस्क मैनेजमेंट और स्केलेबल इम्पैक्ट है। यह कैपिटल हमें अपनी पेशकशों को और बेहतर बनाने, डिस्ट्रीब्यूशन बढ़ाने और आकर्षक, रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न देते हुए एक हाई-क्वालिटी ग्रीन लेंडिंग फ्रेंचाइजी बनाने में मदद करता है। एवरसोर्स ग्रुप के वाइस चेयरमैन और एवरसोर्स कैपिटल के सीईओ धनपाल झंवेरी ने कहा, इकोफाई भारत में कैटेगरी-डिफाइनिंग सस्टेनेबल प्लेटफॉर्म बनाने की एवरसोर्स की स्ट्रैटेजी का उदाहरण है।

अमृता टी ने अपना पहला ब्रांड अभियान लॉन्च किया

मुंबई। अमृता टी ने आधिकारिक तौर पर अपना पहला एकीकृत (इंटीग्रेटेड) ब्रांड अभियान लॉन्च किया है, जो ब्रांड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आपकी चाय, आपके जैसी शीर्षक वाला यह अभियान एक सरल लेकिन मजबूत समझ पर आधारित है – हर चाय प्रेमी अलग होता है और हर घर में चाय का स्वाद भी अलग होता है। इस लॉन्च के साथ, ब्रांड का उद्देश्य खुद को एक भरोसेमंद और अपनापन देने वाली रोजमर्रा की चाय के रूप में स्थापित करना है, जो लोगों की दैनिक दिनचर्या में स्वाभाविक रूप से शामिल हो सके। यह अभियान मजबूत ब्रांड पहचान (ब्रांड रिकॉल) बनाने, उपभोक्ताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव गहरा करने और विभिन्न उपभोक्ता संपर्क बिंदुओं पर लगातार दृश्यता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। आपकी चाय, आपके जैसीह्व अभियान भारत में चाय के अलग-अलग स्वादों और पसंदों का उत्सव मनाता है, और अमृता टी को एक ऐसे ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करता है जो विभिन्न स्वादों, क्षेत्रों और जीवनशैली के अनुरूप खुद को ढालता है। केवल प्रमोशन पर ध्यान देने के बजाय, ब्रांड रोजमर्रा की कहानियों के माध्यम से पहचान और भरोसा मजबूत कर दीर्घकालिक ब्रांड मूल्य बनाने में निवेश कर रहा है। रणनीतिक रूप से यह अभियान ब्रांड जागरूकता बढ़ाने और उपभोक्ताओं के मन में शीर्ष-स्थानीय (टॉप-ऑफ-माइंड) पहचान बनाने पर केंद्रित है, साथ ही उत्पाद को आजमाने और दोबारा खरीदारी को भी प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ-साथ, कंपनी जैसे-जैसे नए बाजारों में विस्तार की तैयारी कर रही है, यह अभियान रिटेल विस्तार और वितरण नेटवर्क को भी समर्थन देगा। स्वाद, खुशबू, रंग और मजबूती जैसे उत्पाद गुणों को भावनात्मक कहानियों के साथ जोड़कर ब्रांड अपनी विश्वसनीयता को मजबूत करना और उपभोक्ताओं के साथ गहरा संबंध बनाना चाहता है। अमृता टी की प्रबंध निदेशक ईशिता मालपानी ने कहा, भारत में चाय सिर्फ एक पेय नहीं है, यह हमारी रोजमर्रा की दिनचर्या और व्यक्तिगत आदतों का हिस्सा है। ह्यआपकी चाय, आपके जैसी के माध्यम से हम इसी विशिष्टता का उत्सव मना रहे हैं। यह अभियान अमृता टी को पूरे देश में एक भरोसेमंद घरेलू ब्रांड के रूप में स्थापित करने की हमारी यात्रा की शुरूआत है। हमारा ध्यान निरंतर ब्रांड निर्माण, मजबूत रिटेल उपस्थिति और हर कप के साथ उपभोक्ताओं का भरोसा जीतने पर है।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

मुंबई/टपूकड़ा । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि, जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि द पावर ऑफ ड्रीम्स के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है। टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सप्लाई चेन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों की आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा। सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर केंद्रित हैं, जो मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कंपनी की भविष्य की नींव को और मजबूत करेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, राजस्थान विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। टपूकड़ा स्थित अपने प्लांट में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा किया जा रहा क्षमता विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र में एचएमएसआई का निरंतर निवेश न केवल मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और क्षेत्र के ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास में योगदान देगा। हम इस पहल का स्वागत करते हैं और मोबिलिटी, नवाचार तथा आर्थिक विकास में उद्योग के निरंतर योगदान की अपेक्षा करते हैं। एचएमएसआई भारत में चार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट संचालित करता है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 62.5 लाख यूनिट है। वर्ष 2001 में संचालन शुरू करने के बाद से कंपनी 7 करोड़ से अधिक यूनिट का उत्पादन कर चुकी है, जो भारत के मोबिलिटी सेक्टर के प्रति उसके पैमाने और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मई 2025 में की गई घोषणा के अनुसार, एचएमएसआई गुजरात के अहमदाबाद ज़िले के विठलापुर प्लांट में चौथी प्रोडक्शन लाइन जोड़ रहा है।

जायडस और टोरेंट फार्मा ने भारत में नवोन्मेषी सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन की सह-मार्केटिंग के लिए लाइसेंसिंग समझौते पर किया हस्ताक्षर

अहमदाबाद। वैश्विक स्तर की नवोन्मेष आधारित जीवन-विज्ञान कंपनी, जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड (जायडस) और विशिष्ट उपचार पर केंद्रित वैश्विक फार्मा कंपनी, टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (टोरेंट फार्मा) ने भारतीय बाजार में सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन की सह-मार्केटिंग के लिए लाइसेंसिंग और आपूर्ति समझौता किया है। समझौते की शर्तों के मुताबिक, जायडस इस उत्पाद का विनिर्माण और आपूर्ति करेगी, जबकि टोरेंट फार्मा को भारत में अपने ब्रांड नाम सेम्बोलिकटीएम के तहत इस उत्पाद की सह-मार्केटिंग करने के आंशिक-विशेषाधिकार मिले हैं। टोरेंट फार्मा इसके लिए पुरानी बीमारियों के इलाज के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति और पूरे देश में फैली विशाल बिक्री टीम का लाभ उठाएगी। जायडस इस उत्पाद की मार्केटिंग अपने ब्रांड सेमाग्लिनटीएम, मैशेमाटीएम और ऑल्टरमीटीएम के तहत, जबकि टोरेंट फार्मा इस उत्पाद की मार्केटिंग अपने ब्रांड सेम्बोलिकटीएम के तहत करेगी। इस समझौते के अंग के तौर पर, टोरेंट फार्मा, जायडस को शुरूआती लाइसेंसिंग शुल्क देगी। जायडस ने सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन (15 मिलीग्राम/3 मिलीलीटर) का नवोन्मेषी फॉर्म्यूलेशन तैयार किया है, जो प्री-फि ल्ड कार्ट्रिज में आता है और इसे मरीजों के लिए आसान, दोबारा इस्तेमाल होने वाले पेन डिवाइस से दिया जाता है। यह डिवाइस एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए दोनों तरह के इलाज के लिए सभी जरूरी खुराक प्रदान करने में सक्षम है। यह फॉर्म्यूलेशन, दोबारा इस्तेमाल होने वाले पेन डिवाइस के साथ, मरीजों की सुविधा बढ़ाने, इलाज के नियमों का बेहतर तरीके से पालन करने और लंबे समय तक इलाज जारी रखने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पुरानी बीमारियों के इलाज के आड़े आने वाली मुख्य चुनौतियों के समाधान में सहायक है। सेमाग्लूटाइड को आधिकारिक तौर पर वयस्कों में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस (मधुमेह) को नियंत्रित करने में मदद के लिए मंजूरी दी गई है। इसका इस्तेमाल आहार और व्यायाम के साथ किया जाए। इसे वयस्कों में अपर्याप्त रूप से नियंत्रित टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के उपचार के लिए भी मंजूरी दी गई है, जहां इसे आहार और व्यायाम के साथ सहायक चिकित्सा के रूप में उपयोग किया जाना है। साथ ही लंबे समय से चल रही वजन की समस्या को नियंत्रित करने के लिए कम कैलोरी वाले आहार और अपेक्षाकृत अधिक शारीरिक गतिविधि के साथ सहायक उपाय के तौर पर भी मंजूरी दी गई है।